मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 288
रविवार, 11 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम हमारी शर्तों पर होगा, पीएम ने एनएसए और एस जयशंकर से कर दिया था साफ

नई दिल्ली, 10 मई। भारत ने पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम पर अपनी शर्तों पर ही सहमत होने का फैसला किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) और एयर आईएसआई प्रमुख असीम मलिक ने भारतीय एनएसए अजीत डोभाल के साथ संवाद शुरू करने की कोशिश की। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनएसए डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर दोनों को यह स्पष्ट कर दिया कि कोई भी युद्ध विराम केवल हमारी शर्तों पर ही आगे बढ़ेगा। विदेश सचिव के अनुसार, पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने शुक्रवार को 15:35 बजे क्ष्ळ पर अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क किया। बातचीत के दौरान, दोनों पक्षों ने 17:00 बजे क्ष्ळ से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य गतिविधियों को रोकने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों की ओर से संघर्ष विराम लागू करने के आदेश जारी किए गए हैं। दोनों DGMO स्थिति की समीक्षा करने के लिए 12 मई को 12:00 बजे IST पर फिर से बात करने वाले हैं।

घोषणा से पहले कई दिनों तक, ठरअ अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर संघर्ष विराम प्रक्रिया पर अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ बातचीत में लगे रहे।

बातचीत के दौरान, उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को बारीकी से अपडेट रखा।

भारत और पाकिस्तान के बीच बिना किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के संघर्ष विराम पर द्विपक्षीय रूप से सहमति बनी। यह पाकिस्तानी DGMO ही थे जिन्होंने दिन में पहले भारत को कॉल की, जिसके परिणामस्वरूप अंततः सफलता मिली।

आज हर भारतीय सरकार के सामर्थ्य को महसूस कर रहा हैः उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली, 10 मई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि आज हर भारतीय सरकार के सामर्थ्य को महसूस कर रहा और यह समझ रहा है कि देश किसी अन्य राष्ट्र परनिर्भर नहीं है। उनकी यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सैन्य गतिरोध के बीच आई है।

उन्होंने कहा,हम भारतीय हैं, भारतीयता हमारी पहचान है, राष्ट्र धर्म सर्वोपरि है, राष्ट्र पहले आता है। कोई भी हित (व्यक्तिगत, राजनीतिक या आर्थिक) राष्ट्र हित से ऊपर नहीं हो सकता।

मौजूदा स्थिति का जिक्र किए बिना उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज हर भारतीय सरकार के सामर्थ्य, दृष्टि और सोच को जान रहा है। धनखड़ ने कहा कि आज भारत इस मामले में किसी देश पर निर्भर नहीं हैं और आज देश में जो कुछ हो रहा है, वह हर भारतीय का उत्साह बढ़ा रहा है। उन्होंने यह टिप्पणी हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा लिखित पुस्तक जनता की कहानी, मेरी आत्मकथा के विमोचन के दौरान की।

पंजाब पहले भी लड़ा है और अब भी आगे बढ़कर नेतृत्व करेगा: भगवंत मान

पंजाब, 10 मई। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में पाकिस्तान द्वारा किए गए हमलों पर कहा कि हम पहले से तैयार थे। पंजाब ने पहले भी मोर्चे पर लड़ाई लड़ी है और इस बार भी पंजाब ही आगे बढ़कर नेतृत्व करेगा। फिरोजपुर की घटना में जो लोग घायल हुए हैं (पाकिस्तान ड्रोन हमले में घायल 3 लोगों का परिवार), उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंत्री चीमा वहां गए हैं। मैं कल उन इलाकों का दौरा करूंगा जहां मिसाइलें मिली हैं। मैं लोगों से मिलूंगा। घबराएं नहीं, कुछ भी स्टोर करने की जरूरत नहीं है।

वहीं, आज सुबह भारत और पाकिस्तान के मध्य सैन्य संघर्ष के बीच पंजाब के पठानकोट तथा जालंधर जिलों में विस्फोट जैसी आवाजें सुनी गईं और होशियारपुर, अमृतसर और फिरोजपुर जिलों में सायरन बजने लगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हरियाणा के सिरसा में भी कुछ स्थानीय लोगों ने दावा किया कि उन्होंने आधी रात के बाद विस्फोट जैसी आवाजें सुनीं। अधिकारियों ने बताया कि जालंधर जिले के कंगनीवाल गांव में एक अज्ञात प्रक्षेपास्त्र एक रिहायशी इलाके में गिरा। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस घटना में एक प्रवासी मजदूर घायल हो गया, जबकि इलाके के कुछ मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि अज्ञात वस्तु के हिस्से इलाके में पड़े हुए हैं। इलाके की एक महिला ने बताया, मैं खिड़की के पास खड़ी थी तभी देर रात करीब डेढ़ बजे कोई चीज पानी की टंकी (घर की) से टकराई, जिससे चार से पांच घरों के शीशे टूट गए। उन्होंने बताया कि एक प्रवासी मजदूर के हाथ में चोट आई है, जिसे अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय निवासी सतिंदर कुमार ने कहा, हमारे घर की पानी की टंकी को नुकसान पहुंचा है, जबकि कई खिड़कियों के शीशे टूट गए। चारों तरफ धुआं ही धुआं था।

आतंकवाद के खिलाफ जारी रहेगा एक्शन, सजीफायर के बाद जयशंकर ने किया साफ

नई दिल्ली, 10 मई। भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम समझौते के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफ लगातार दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखा है। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत और पाकिस्तान ने आज गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनाई है। आतंकवाद के खिलाफ भारत कड़ी कार्रवाई करना जारी रखेगा। विदेश मंत्री की यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते पर पहुंचने के बाद आई है, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव के लगभग दो दिन बाद हुआ है। शुक्रवार रात को पाकिस्तान द्वारा भारत पर मिसाइलों और तुर्की निर्मित 300-400 ड्रोन से हमला किए जाने के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच टकराव और बढ़ गया। दोनों देशों ने शनिवार, 10 मई को शाम 5 बजे से जमीन और हवा में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य अभियान रोकने पर सहमति जताई है।

भारत की ओर से विदेश मंत्री विक्रम मिसरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि पाकिस्तान की ओर उसकी सेना के डीजीएमओ ने तनाव कम करने के लिए भारतीय सेना के डीजीएमओ से संपर्क किया। इसके बाद भारत अपनी शर्तों पर युद्धविराम के लिए राजी हुआ।

दोनों देशों के डीजीएमओ युद्धविराम को लेकर आगे की कार्रवाई के लिए 12 मई को फिर से बातचीत करेंगे। पाकिस्तान सरकार ने शनिवार को कहा कि उसने भारत से संपर्क किया और दोनों देशों के बीच युद्ध विराम पर सीधे बातचीत की गई। सरकार ने कई दिनों की सैन्य कार्रवाई और दोनों पड़ोसियों के बीच बढ़े तनाव के बाद युद्ध विराम की पुष्टि की।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान करते हुए कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी रात की बातचीत के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों को सामान्य बुद्धि और महान बुद्धिमत्ता का उपयोग करने के लिए बधाई। इस मामले पर आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद।

जिला जज और जिलाधिकारी ने लोक अदालत का उद्घाटन किया

- राष्ट्रीय लोक अदालत में 66 श्रम वादों का निस्तारण, 99 श्रमिक लाभान्वित
- सुलह-समझौते पर सुलाझेंगे लंबित मामले : जिला जज

सुरेश गांधी

वाराणसी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, वाराणसी के तत्वावधान में शनिवार को यूनियन बैंक से संबंधित प्री-लिटिगेशन के मामलों के निस्तारण हेतु राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया। लोक अदालत का उद्घाटन जिला जज जयप्रकाश तिवारी एवं जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से माता सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर किया। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 66 श्रम वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें 99 श्रमिक लाभान्वित हुए।

इस मौके पर जिला जज ने कहा, आपसी सुलह से आती है स्थायी शांति। उन्होंने पक्षकारों से सकारात्मक रूप से मुकदमों का निस्तारण कराने की अपील करते हुए कहा कि सुलह के आधार पर विवादों का निपटारा सबसे सर्वोत्तम उपाय है। बता दें, अदालत के आयोजन में आने वाले दोनों पक्षों के बैठने, शुद्ध पेयजल आदि की समुचित व्यवस्था कराई गई। लोक अदालत का मकसद न्यायपालिका के कार्यभार को कम करने तथा त्वरित न्याय सुनिश्चित करने में वैकल्पिक विवाद समाधान की दक्षता को उजागर करती है। लोक अदालत में आपसी समझौते के आधार पर मामलों का निपटारा होता है। यह ऐसा प्लेटफार्म है, जहां समझौते के आधार पर दोनों पक्ष विजयी होते हैं। जिलाधिकारी के आदेश अनुपालन में अपर श्रमायुक्त कार्यालय, वाराणसी क्षेत्र राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस मौके पर उप श्रमायुक्त धर्मेन्द्र कुमार सिंह द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से जनपद में कर्मचारी प्रतिकर अधिनियम 1923 वेतन भुगतान अधिनियम, 1936 न्यूनतम वेतन अधिनियम, 1948 एवं प्री लिटिगेशन प्रकरणों सहित 66 श्रम वादों का निस्तारण किया गया, जिससे कुल 99 श्रमिक धनराशि रुपये 1,67,79,871 से लाभान्वित हुए।

संभल हिंसा में कथित रूप से संलिप्त तीन युवकों को जमानत मिली

इलाहाबाद। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 24 नवंबर, 2024 को संभल में हुई हिंसा में कथित तौर पर संलिप्त रहे तीन युवकों- फैजान, शाने आलम और मोहम्मद रिहान को जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति डॉक्टर गौतम चौधरी ने बृहस्पतिवार को इन युवकों की जमानत मंजूर की। याचिकाकताओं के वकील ने दलील दी कि संभल घटना के संबंध में 700-800 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया है कि जब वे पथराव कर रहे थे, अचानक एक व्यक्ति ने गोली चला दी जिससे एक पुलिसकर्मी के पैर में गोली लगी।

हमारे पूर्वजों ने दो-देश सिद्धांत को खारिज कर दिया था, पाकिस्तान पर बरसे ओवैसी, तुर्की को भी लपेटे में लिया

हैदराबाद, 10 मई। पाकिस्तान के खिलाफ अपने सख्त रुख के लिए वाहवाही बटोर रहे एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पड़ोसी देश को एक और करारा जवाब दिया है। और इस बार इसमें पाकिस्तान के भाई राष्ट्र तुर्की को भी शामिल किया गया है, जो उसे अटूट समर्थन दे रहा है। ओवैसी, जो पहले पाकिस्तान के खिलाफ हमलावर देखे गए थे, ने अब तुर्की पर सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि एक तरफ तुर्की अपनी जमीन पर आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करता है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान का समर्थन करता है, जिसे आतंकवाद का वैश्विक केंद्र माना जाता है।

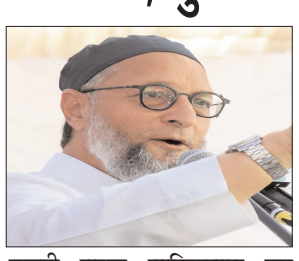

उन्होंने कहा कि हमें तुर्की को यह समझाना होगा। यह दुनिया का एकमात्र देश है जो अपनी जमीन पर आतंकवादी संगठनों, कुर्द समूहों पर बमबारी करता है। जब तक उन्होंने इराक के साथ समझौता नहीं किया था, तब तक वे वहां भी आतंकवादी संगठनों पर बमबारी करते थे। और अब वे सीरिया में भी ऐसे शिविरों पर बमबारी कर रहे हैं। इसलिए उनसे पूछा जाना चाहिए कि जब वे विदेशी जमीन पर आतंकवादियों को मार सकते हैं, तो वे भारत से कैसे सवाल कर सकते हैं।

ओवैसी ने कहा कि हमारी जमीन पर हमले हो रहे हैं, सैनिकों पर, उन्हें लोन मिला है। शासन-प्रशासन तो छोड़िए, उन्हें अर्थव्यवस्था चलाना भी नहीं आता।

संकट का व्यापार: महंगाई, मुनाफाखोरी और सरकारी चेतावनी

- डॉ सत्यवान सौरभ

जब भी किसी देश में संकट का साया मंडराता है, सबसे पहले आम जनता पर इसका असर पड़ता है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि संकट के दौर में महंगाई, कालाबाजारी और जमाखोरी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर देशभर में खाद्य पदार्थ, पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कालाबाजारी की खबरें सुर्खियों में हैं। इन मुश्किल हालातों के बीच सरकार ने जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई का ऐलान किया है। सवाल यह है कि क्या इन घोषणाओं से वास्तव में कोई फर्क पड़ेगा या फिर यह भी अन्य सरकारी वादों की तरह सिर्फ कागजी सख्ती बनकर रह जाएगी?

इतिहास गवाह है कि जब-जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा है, तब-तब न केवल सीमावर्ती इलाकों में, बल्कि पूरे देश में खाद्य पदार्थों और ईंधन की किल्लत का माहौल पैदा हुआ है। यह समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक भी है। राजनीतिक लाभ के लिए कई बार जमाखोरी और कालाबाजारी को न केवल नजरअंदाज किया जाता है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित भी किया जाता है। सरकारें अक्सर महंगाई और किल्लत को 'राष्ट्रीय सुरक्षा' के नाम पर सही ठहराती रही हैं। यह एक प्रचलित नीति है कि संकट के समय लोगों का ध्यान भटकाने के लिए देशभक्ति की भावना को उभारा जाता है, लेकिन इसका खामियाजा आम नागरिक को भुगतना पड़ता है।

सरकार द्वारा जारी सख्त निर्देशों के बावजूद, जमीनी स्तर पर इनका क्रियान्वयन हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। आमतौर पर, प्रशासनिक अधिकारी इन्हें गंभीरता से नहीं लेते या फिर स्थानीय व्यापारियों और नेताओं के दबाव में आंखें मूंद लेते हैं। यह एक खुला राज है कि कालाबाजारी करने वाले अक्सर राजनीतिक संरक्षण में फलते-फूलते हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या सिर्फ आदेश जारी कर देने से समस्या का समाधान हो जाएगा? क्या प्रशासनिक मशीनरी अपने काम में पारदर्शिता और ईमानदारी से कार्य करेगी या फिर यह भी केवल फाइलों में बंद होकर रह जाएगा।

जब जमाखोरी होती है, तो इसका सबसे बुरा असर आम जनता पर पड़ता है। महंगाई आसमान छूने लगती है, जरूरी वस्तुएं बाजार से गायब हो जाती हैं, और लोगों को मजबूरी में अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। सरकारें राहत पैकेज और सस्ते राशन की योजनाएं तो बनाती हैं, लेकिन उनका लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचना अक्सर एक चुनौती बन जाता है। इसके पीछे केवल भ्रष्टाचार ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर जागरूकता की कमी भी एक बड़ी समस्या है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को इसका सबसे अधिक खामियाजा उठाना पड़ता है।

सरकार ने साफ कर दिया है कि जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई होगी, लेकिन क्या यह वादा हकीकत में बदल पाएगा? क्या सरकारी तंत्र इस बार वाकई में सख्त रुख अपनाएगा या फिर यह भी अन्य सरकारी निर्देशों की तरह समय के साथ फीका पड़ जाएगा? वास्तविक सुधार तभी संभव है जब सरकार अपने सख्त निर्देशों को जमीनी हकीकत में बदलने के लिए ठोस कदम उठाए। हर जिले में वस्तुओं की उपलब्धता और वितरण की पारदर्शी जानकारी दी जाए। इससे आम जनता को वस्तुओं की वास्तविक स्थिति का पता चल सके और अफवाहों का अंत हो।डिजिटल प्लेटफॉर्म और ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग कर स्टॉक और मूल्य में पारदर्शिता लाई जाए। तकनीकी साधनों का उपयोग करके जमाखोरी और कालाबाजारी की निगरानी करना आज के डिजिटल युग में आसान हो सकता है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ सार्वजनिक रूप से नाम उजागर किया जाए ताकि लोग इस तरह की गतिविधियों से दूर रहें। जनता को इस लड़ाई में भागीदार बनाया जाए ताकि कालाबाजारी करने वालों की पहचान आसानी से हो सके। सामुदायिक सतर्कता समूहों का गठन किया जाए, जो नियमित रूप से बाजार की स्थिति पर नजर रखें। संकट के समय गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को आर्थिक सहायता और सब्सिडी के माध्यम से राहत दी जाए। सिर्फ घोषणाओं से समस्याएं खत्म नहीं होतीं, बल्कि ठोस और ईमानदार क्रियान्वयन से ही सुधार संभव है। अगर सरकार वास्तव में कालाबाजारी पर नकेल कसना चाहती है, तो उसे अपनी नीतियों और प्रशासनिक ढांचे में बदलाव करना होगा। वरना, यह सख्ती भी महज एक 'खोखला नारा' बनकर रह जाएगी। जनता को भी सतर्क रहना होगा, ताकि कोई जमाखोर उनका हक न छीन सके।

केवल आदेश और घोषणाओं से समस्याएं समाप्त नहीं होतीं, बल्कि ठोस और ईमानदार क्रियान्वयन से ही सुधार संभव है। सरकार को यह समझना होगा कि महंगाई और कालाबाजारी का मुद्दा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि एक नैतिक और राजनीतिक चुनौती भी है। जब तक प्रशासनिक तंत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और इच्छाशक्ति नहीं होगी, तब तक जमीनी सुधार की उम्मीद बेमानी है। सरकारी नीतियों का केवल कागजी सख्ती तक सीमित रह जाना न केवल जनता के साथ विश्वासघात है, बल्कि एक लोकतांत्रिक देश के मूल सिद्धांतों का भी अपमान है।

इसके अलावा, आम जनता को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों की पहचान में सहयोग करना, जरूरतमंदों की मदद करना और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना समय की मांग है। सिर्फ आलोचना से समस्या का हल नहीं होगा, बल्कि सामूहिक प्रयास से ही एक स्वस्थ और समतामूलक समाज का निर्माण हो सकता है। वरना यह सख्ती भी महज एक 'खोखला नारा' बनकर रह जाएगी।

कांपा पाक, इंडियन आर्मी ने खिलौनों की तरह तोड़े चीनी हथियार

अजय कुमार,लखनऊ

कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल पाकिस्तान बल्कि चीन की भी पेशानी पर बल ला दिया है। दरअसल,भारतीय सेना पाकिस्तान को बुरी तरह से सबक सिखा रही है तो चीन की चिंता इस बात को लेकर है कि इस युद्ध में चीनी हथियारों की पोल खुलती जा रही है,पाकिस्तान द्वारा दागी जा रही चीनी मिसाइल और ड्रोन को भारतीय सेना अपने एयर डिफेंस सिस्टम के माध्यम से एक के बाद एक धराशायी करती जा रही है। सैकड़ों चीनी मिसाइलों को इंडियन आर्मी हवा में ही मार गिरा चुकी है। संभवता इसी के चलते पाकिस्तान की बौखलाहट के साथ ड्रैगन यानी चीन की चिंता बढ़ी हुई है। चीन के विदेश मंत्रालय ने भारत और पाकिस्तान से शांति की अपील करते हुए ज्ञान दिया कि बात आगे बढ़ी तो किसी के हित में नहीं होगा। ऐसा करते हुए उसने पाकिस्तान पोषित आतंकवाद पर चुप्पी साधे रखी। बहरहाल, चीन ने भारत और पाकिस्तान को बातचीत के मेज पर वापस आने की सलाह देते हुए कहा कि वह मध्यस्थता करने का इच्छुक है। चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक प्रवक्ता ने कहा, हम दोनों पक्षों से अपील करते हैं कि शांति और स्थिरता के हित में संयम और शांति बरतें और शांतिपूर्वक साधनों से राजनीतिक सुलह के रास्ते पर वापस आएं। किसी भी ऐसे ऐक्शन से बचें जो तनाव को और ज्यादा बढ़ाए। यह भारत और पाकिस्तान दोनों के हित में होगा और क्षेत्र तकी शांति स्थिरता के लिए आवश्यक है। वैश्विक समुदाय भी इसी की उम्मीद कर रहा है। इसे खत्म कराने के लिए चीन भूमिका निभाने का इच्छुक है।

गौरतलब है कि चीन अपने फायदों के लिए पाकिस्तान को सबसे करीबी दोस्त होने के भ्रमजाल में फंसाए हुए है। चीन ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। भारत के रुख और सैन्य ताकत को देखते हुए चीन को अब अपने प्रॉजेक्ट्स पर भी असर होने का अंदेशा होने लगा है। आतंकवाद को लेकर हमेशा चीन का बचाव करता रहा ड्रैगन अब उसकी पिटाई देख झगड़ा रोकने की इच्छा जाहिर कर रहा है।

उधर, भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। एक तरफ पाकिस्तान ने भारत में हमले की नाकाम कोशिशें की हैं तो दूसरी जवाबी कार्रवाई में उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा है। भारत ने पाकिस्तान के चार एयरबेस को बुरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसमें नूर खान एयरबेस भी शामिल है।

युद्ध के समय खबरों में विश्वसनीयता हो

-अशोक भाटिया

ऑपरेशन सिंदूर के तहत 6 मई की आधी रात के बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की गई बहादुर कार्रवाई के नतीजे अभी भी महसूस किए जा रहे हैं। इसकी कार्रवाई की प्रकृति सीमित, संयमित लेकिन प्रभावी है। यह जलन और जलन पिछले 36 घंटों से पाकिस्तान की कार्रवाइयों में परिलक्षित होती है। इन सभी हमलों को ड्रोन और हल्की मिसाइलों द्वारा सफलतापूर्वक रद्द कर दिया गया था। वहाँ हैं। इसके लिए सरकार और सशस्त्र बलों को बधाई। पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर सीमा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और तोपों से गोलीबारी शुरू कर दी। ड्रोन हमले सीमावर्ती राज्यों जम्मू, पंजाब और राजस्थान में किए गए। रात के अंधेरे में हवा में इन ड्रोनों को नष्ट करने में, सशस्त्र बलों और विशेष रूप से वायु सेना ने हथियारों का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, सिर पर ड्रोन का घर, हवाई हमलों की चेतावनी देने वाली भोंग, रोशनी सभी जगह थी। जब से ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ है, हमारे सशस्त्र बलों और सरकार ने भी धुंध के अंधेरे के माहौल में सीमावर्ती शहरों में प्राकृतिक भय से पीड़ित लोगों को आश्वासन दिया है। ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद से, हमारे सशस्त्र बलों और सरकार ने प्राकृतिक भय से पीड़ित लोगों को आश्वस्त भी किया है। यह दृढ़ संकल्प और धैर्य दिखाता है। भले ही हमारे कई इलेक्ट्रॉनिक समाचार चैनल धैर्य का प्रयोग करें, लेकिन देश भर में ध्वनि प्रदूषण और अज्ञानता प्रदूषण बहुत कम होने की संभावना है। यह कार्रवाई जितनी हमारे सशस्त्र बलों की तत्परता और सरकार के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है, उतनी ही यह ऐसी गतिविधियों की रिपोर्टिंग में हमारे खुलेपन और अपर्याप्तता को भी उजागर करती है, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक समाचार चैनलों की। हमारे पास प्रचार के लिए आवश्यक सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की कमी कभी नहीं थी, और दर्शकों को जो जानकारी दी जा रही है, उसे देखते हुए, यह तय करना मुश्किल है कि उनकी कल्पना की प्रशंसा करें या उनकी मानसिक और नैतिक गिरावट पर शोक मनाएं।

रात के अंधेरे में, भारतीय वायु सेना और सेना ने संयुक्त रूप से पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों, हवेली और उनके नेताओं के मुख्यालयों का दौरा किया। उन्होंने इस तथ्य पर विशेष ध्यान दिया कि सटीक हमलों या सटीक हमलों के रूप में सैन्य प्रतिष्ठानों और नागरिक बस्तियों को कोई नुकसान नहीं होगा। भारत के लिए, मुद्दा वहीं समाप्त हो गया, क्योंकि पहलगाम हमला पाकिस्तान की आक्रामकता थी और ऑपरेशन सिंदूर इसका जवाब था। हम मानते हैं। फिर भी पाकिस्तान ने भारत पर कई ड्रोन हमले करने की गलती की और अब यह वास्तव में उनके लिए महंगा है। क्योंकि भारत ने सफलतापूर्वक उनके हमलों को दोहराया; लेकिन दूसरी ओर, भारतीय ड्रोन और हमलों को रोकने के लिए पाकिस्तान के पास समान कुशल रक्षा प्रणाली नहीं है। यानी भारत जब भी संभव हो हमलों और हमलों को रोक सकता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इससे बहुत आगे निकल गया, उनमें से कुछ ने 'भारतीय नौसेना द्वारा कराची के विनाश' पर रिपोर्टिंग की। कुछ लोगों का दृढ़ विश्वास था कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर तुर्की भाग गए थे। पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रतिस्थापित किए गए सज्जन का नाम भी सामने आया था। कुछ का मानना है कि 'भारतीय सैनिकों ने एलओसी पार कर एक के बाद एक पाकिस्तानी शहरों पर कब्जा करना शुरू कर दिया'। उन्होंने कहा, 'कोई चिल्ला रहा था कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने इस्तीफा दे दिया है। व्यक्ति को शायद अपनी आवाज को लाइन में लाने की आवश्यकता महसूस हुई। इस्लामाबाद, लाहौर, कराची, रावलपिंडी और सियालकोट भारत के हाथों में गिर गए। सेना, वायु सेना और नौसेना ने पाकिस्तान को नष्ट कर दिया। उनमें से एक चिल्लाया, बलूच विद्रोही बलूचिस्तान से पाकिस्तान पर भाग गए। अलग-अलग स्थानों और अलग-अलग समय पर शूट किए गए दृश्यों को पाकिस्तान में एकत्र किया गया और दिखाया गया। रात में मीडिया में शोर चल रहा था, 8 मई की आधी रात, फिर 9 मई को पूरा दिन। बुखार इस हद तक बढ़ गया कि रक्षा मंत्रालय को आखिरकार नोटिस जारी करना पड़ा। ₹जिम्मेदारी से रिपोर्ट करें। किसी भी परिस्थिति में सशस्त्र बलों की कार्य योजनाओं या आंदोलनों को इस तरह से नहीं दिखाया जाना चाहिए जो दुश्मन को दिखाई दे। सरकार को अपने देश में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से अपील करनी होगी कि वह याद करे कि कारगिल युद्ध और मुंबई आतंकी हमले के दौरान ऐसी भावना का पालन नहीं किया गया था।

आपातकाल की स्थिति में भी सरकार को इस गैरजिम्मेदारी पर ध्यान देना पड़ता है, जो समाचार चैनलों की शिथिलता और अक्षमता के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है। सूचना उसी संयम के साथ दी जा रही है जिसके साथ सरकार ने कार्रवाई की योजना बनाई है। इसे जारी करने में कुछ समय लगता है। सब कुछ खुलासा नहीं किया जा सकता है।फिर भी बारीकियां गोपनीय रहती हैं। कोई भी कुशल सैन्य और जिम्मेदार सरकार युद्ध के कगार पर नहीं है। हमें सीमा पार देखना होगा कि अगर हम ऐसा करते हैं तो क्या होता है। रक्षा मंत्री सार्वजनिक रूप से विदेशी मीडिया के संपर्क में हैं। वही रक्षा मंत्री संसद में हास्यास्पद खुलासे करता है। यह दोनों सरकारों की परिपक्वता में अंतर को दशार्ता है। क्या यह कहा जा सकता है कि यह दोनों देशों के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में है? ये कदम दर्शकों को आकर्षित करने के एकमात्र उद्देश्य के साथ और 'टीआरपी' नामक एक अवैज्ञानिक उपाय के प्रभाव में किए जा रहे हैं, लेकिन यह स्वार्थ देश में बड़ी संख्या में लोगों को कैसे प्रभावित कर रहा है, यह कई लोगों के सोशल मीडिया संदेशों में परिलक्षित होता है। यह नकली सूचना या नकली समाचार का एक आपराधिक आविष्कार है। आज, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उन्हें इस बात का भी अंदाजा नहीं है कि राजस्थान की आम जनता किस दबाव में है। मुझे परवाह नहीं है कि सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग तोपखाने की आग से कैसे बच रहे हैं, बच रहे हैं या सहन कर रहे हैं। यह उनकी समझ से परे है कि हमारे सशस्त्र बल सबसे जटिल ऑपरेशन करने के लिए अत्यधिक एकाग्रता और दृढ़ संकल्प दिखा रहे हैं। हमारी सरकार एक पुराने और हत्यारे दुश्मन से लड़ रही है। इस युद्ध का दायरा बढ़ सकता है। ऐसे समय में, सरकार को सहकारी नागरिकों और जिम्मेदार मीडिया के समर्थन की आवश्यकता है। प्रिंट मीडिया ने उस जागरूकता को ज्यादातर दिखाया है, लेकिन जिम्मेदारी और चेतना शब्द उनके शब्दकोश से गायब हो गए हैं। उन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने उस तरह की तात्कालिकता नहीं दिखाई है।

कहा जाता है कि युद्ध में पहली दुर्घटना सच्ची जानकारी होती है। यह दुनिया भर के सभी युद्धों के इतिहास में कमोबेश देखी जाती है। सच्ची जानकारी प्राप्त करना मुश्किल है, झूठी सूचनाओं की बाढ़ आदि। या द्वितीय विश्व युद्ध में नाजियों और सहयोगियों द्वारा व्यापक प्रचार; इसमें दिखाया गया है कि कैसे सूचना को युद्ध में हथियार के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

समकालीन युद्धों में यह और भी अधिक स्पष्ट है, क्योंकि ये युद्ध न केवल युद्ध के मैदान पर खेले जाते हैं, बल्कि जनमत के युद्ध के मैदान पर भी खेले जाते हैं। सभी स्तरों पर, युद्ध की पृष्ठभूमि, युद्ध का समर्थन और युद्ध के बाद स्थापित होने वाली कथा, शासकों को जनमत पर भरोसा करना पड़ता है, जैसे युद्ध की कहानियों के साथ-साथ युद्ध के सही तथ्यों को भी बताया जाना चाहिए। मीडिया और भार से भरे आज के समय में, कार्य चुनौतीपूर्ण है। 1960 के दशक में, संयुक्त राज्य अमेरिका न केवल वियतनाम के युद्ध के मैदान पर, बल्कि अमेरिकी मीडिया में उत्पादित सूचना और कथा पर युद्ध में भी हार गया, इससे सीखते हुए, 1990 के दशक के पहले खाड़ी युद्ध में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने केवल समाचार मीडिया भागीदारों का एक समूह बनाया। एम्बेडेड पत्रकारिता, या ₹आश्रित पत्रकारिता₹, युद्ध पत्रकारिता का एक नया रूप था। सूचना का खराब उपयोग युद्ध या किसी भी सशस्त्र संघर्ष में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। ताजा भारत-पाकिस्तान संघर्ष में भी यह साफ है कि सूचना युद्ध लड़ना कितना मुश्किल और चुनौतीपूर्ण है।

पाकिस्तान को दुनिया कभी भी एक विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में नहीं जानती थी। पहलगाम पर आतंकवादी हमले के बाद भारत की बहुत ही सटीक, संयमित और मर्मज्ञ कार्रवाई के बाद, पाकिस्तान का झूठ एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया। भारत की कार्रवाई की सफलता, भारतीय सेना द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सबूतों के साथ दी गई स्पष्ट, सटीक जानकारी, वास्तविक युद्धक्षेत्र हमले में खुद को कायम नहीं रख पाई। यह बात साफ होते ही पाकिस्तान ने सूचना के रणक्षेत्र में भारत पर हमला करना शुरू कर दिया। पाकिस्तानी मीडिया और खासकर सोशल मीडिया ने गलत जानकारी फैलानी शुरू कर दी। उन्होंने वीडियो और तस्वीरों का उपयोग करके पोस्ट बनाए, जिनका नवीनतम संघर्षों से कोई लेना-देना नहीं था, उन्हें विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से प्रसारित किया गया और मंत्रियों और अधिकारियों को उनका उपयोग करने, उन सभी का मुकाबला करने, अपने झूठ और इस तरह के पोस्ट दिखाने के लिए कहकर उन पर कुछ वैधता की मुहर लगाने की कोशिश की। भारत को अपने उपयोगकताओं को भारतीय डिजिटल स्पेस से हटाने के लिए एक और नया अभियान शुरू करना पड़ा। और ऐसा नहीं है कि वह वहां रुकने वाली है। ऑपरेशन तब तक जारी रहेगा जब तक 'ऑपरेशन सिंदूर' जारी रहेगा और शायद उसके बाद भी।

-अशोक भाटिया

युद्ध से युद्धविराम तक: भारत-पाक रिश्तों की बदलती तस्वीर

- प्रियंका सौरभ

भारत और पाकिस्तान के बीच के संबंध हमेशा से तनावपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों के बीच की सीमाएं न केवल भौगोलिक हैं, बल्कि राजनीतिक और सांस्कृतिक विभाजन भी हैं, जो 1947 में विभाजन के समय से आज तक खिंची हुई हैं। इस तनाव का सबसे बड़ा कारण जम्मू-कश्मीर का मुद्दा रहा है, जो आज भी विवाद का मुख्य बिंदु है।

1947-48: पहला युद्ध और पहला युद्धविराम

भारत और पाकिस्तान के बीच पहला युद्ध 1947-48 में हुआ, जिसे कश्मीर युद्ध के नाम से जाना जाता है। यह संघर्ष तब शुरू हुआ जब पाकिस्तान समर्थित कबायली लड़ाकों ने कश्मीर पर हमला किया। भारतीय सेना ने महाराजा हरि सिंह की सहायता के लिए कश्मीर में प्रवेश किया, जिसके बाद संघर्ष बढ़ता गया। इस युद्ध का अंत 1 जनवरी 1949 को संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप के बाद हुआ, जिसने युद्धविराम की घोषणा की और दोनों देशों के बीच नियंत्रण रेखा (LoC) स्थापित की। यह युद्धविराम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 47 के तहत हुआ था, जिसमें कश्मीर में जनमत संग्रह की बात कही गई थी, जो आज तक पूरा नहीं हो पाया।

1965 का युद्ध और ताशकंद समझौता

1965 में, कश्मीर मुद्दे पर फिर से संघर्ष भड़क उठा। इस बार पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन जिब्राल्टर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तानी सेना ने कश्मीर में घुसपैठ की। भारत ने इसका कड़ा जवाब दिया और युद्ध पंजाब, राजस्थान और कश्मीर में फैल गया। इस युद्ध का अंत 23 सितंबर 1965 को हुआ, जब संयुक्त राष्ट्र और सोवियत संघ के मध्यस्थता के बाद ताशकंद समझौता हुआ। इस समझौते पर 10 जनवरी 1966 को भारतीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए।

1971 का युद्ध और शिमला समझौता

1971 का युद्ध मुख्य रूप से बांग्लादेश की स्वतंत्रता के मुद्दे पर हुआ था। पाकिस्तान में पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों के बीच तनाव बढ़ता गया और पूर्वी पाकिस्तान (आज का बांग्लादेश) में स्वतंत्रता की मांग ने युद्ध का रूप ले लिया। भारत ने बांग्लादेश की स्वतंत्रता संग्राम का समर्थन किया और 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान को निर्णायक हार का सामना करना पड़ा। इस युद्ध के बाद 2 जुलाई 1972 को शिमला समझौता हुआ, जिसमें दोनों देशों ने सभी विवाद शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का वादा किया और नियंत्रण रेखा (छङ्कउ) की स्थापना की गई।

1999 का कारगिल युद्ध

कारगिल युद्ध 1999 में हुआ, जब पाकिस्तानी सैनिकों ने कारगिल-द्रास सेक्टर में भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की। इस संघर्ष में दोनों देशों के बीच भीषण लड़ाई हुई और कई सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी। यह युद्धविराम 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ, जब भारत ने अपने क्षेत्र को पुनः प्राप्त कर लिया।

2003 का स्थायी युद्धविराम

नवंबर 2003 में, दोनों देशों ने नियंत्रण रेखा पर स्थायी युद्धविराम की घोषणा की, जो एक महत्वपूर्ण कदम था। इस पहल ने सीमा पर हिंसा में कमी लाई और कश्मीर में सामान्य जनजीवन को स्थिर किया। हालांकि, इस युद्धविराम का पालन समय-समय पर उल्लंघन का शिकार होता रहा है। **हालिया प्रयास और चुनौतियाँ**

2021 में, भारत और पाकिस्तान ने फिर से युद्धविराम का पालन करने की सहमति जताई, जिसे 2003 के समझौते का नवीनीकरण कहा जा सकता है। यह निर्णय दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच हुई एक गुप्त वार्ता का नतीजा था। हालांकि, सीमा पर होने वाली घटनाएं और कश्मीर में बढ़ता तनाव इन प्रयासों को कमजोर करते हैं। दोनों देशों के बीच विश्वास की कमी और आतंकवाद के मुद्दे पर मतभेद इन समझौतों को पूरी तरह से सफल नहीं होने देते।

2025: नवीनतम युद्धविराम और वर्तमान स्थिति

10 मई 2025 को, भारत और पाकिस्तान ने एक पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमति व्यक्त की, जो हाल के वर्षों में सबसे गंभीर संघर्ष के बाद हुआ। यह संघर्ष 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए एक आतंकवादी हमले के बाद शुरू हुआ, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। इस हमले के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई तेज हो गई, जिसमें मिसाइल और ड्रोन हमले शामिल थे।

संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में हुई वार्ता के बाद, दोनों देशों ने युद्धविराम पर सहमति जताई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस समझौते की घोषणा करते हुए दोनों देशों की सराहना की। हालांकि, इस युद्धविराम के बावजूद, भारत और पाकिस्तान के बीच कई मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं, जैसे कि सिंधु जल संधि का निलंबन और सीमा पर तनाव।

सेना के साथ खड़ा भारत, सत्ता के लिए लड़ता पाकिस्तान

-संजय सक्सेना

हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में जिस तरह से सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच हर मुद्दे पर तलवारें खींची नजर आती थी,उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस तरह से दोनों धड़ों में एकजुटता देखने को मिल रही है,उससे देश की आम जनता काफी खुश है,वहीं पाकिस्तान में इसके उलट नजारा नजर आ रहा है। पड़ोसी मुल्क में विपक्ष लगातार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को कोसने और उन्हें नाकाबिल नेता साबित करने में लगा है। मोदी और शरीफ की तुलना शेर और सियार के रूप में की जा रही है।

बहरहाल,भारत के लिये यह सुखद है कि आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार के हर कदम पर विपक्ष बिना किसी शर्त के पूरी मजबूती से खड़ा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके जवाब में भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पूरे राजनीतिक परिदृश्य में एक अद्भुत परिवर्तन देखा गया है। विपक्षी दलों ने इस बार न केवल सरकार का समर्थन किया बल्कि सेना के साहस और कार्रवाई की खुलकर सराहना की। इससे पहले उरी और पुलवामा हमलों के बाद जिस तरह से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने सवाल उठाए थे, और बीजेपी ने उन्हें राष्ट्र विरोधी खांचे में रखकर सियासी नुकसान पहुंचाया था, उस पृष्ठभूमि में यह बदलाव बेहद अहम है। यह न केवल राजनीति की परिपक्वता को दशार्ता है, बल्कि यह भी बताता है कि देश की सुरक्षा के मुद्दे पर भारत अब एक स्वर में बोल रहा है।

गौरतलब हो, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस हमले ने न केवल आम जनता की भावनाओं को आहत किया, बल्कि विपक्षी दलों के लिए भी एक चुनौती खड़ी कर दी थी कि वे इस मुद्दे को किस रूप में लें। कांग्रेस और अन्य प्रमुख दलों ने बिना देर किए केंद्र सरकार को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की। इससे भी बड़ी बात यह थी कि उन्होंने सुरक्षा और खुफिया तंत्र की संभावित चूक का मुद्दा उठाने के बावजूद, इसे राजनीति का विषय नहीं बनने दिया। यह देश की एकता और संप्रभुता की रक्षा के लिए विपक्ष का एक परिपक्व और जिम्मेदार रवैया था।

भारतीय सेना ने इस हमले के जवाब में पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सटीक और प्रभावशाली कार्रवाई की। सेना की इस जवाबी कार्रवाई को विपक्ष की ओर से न केवल समर्थन मिला बल्कि सराहना भी हुई। कोई सवाल नहीं, कोई प्रमाण की मांग नहीं, कोई राजनीतिक बयानबाजी नहीं बस एक सुर में सरकार और सेना के साथ खड़े रहने की भावना। ह्यभारत माता की जयह्ण और ह्यजय हिंदह्ण के नारों के साथ विपक्षी नेता भारतीय सेना के साथ नजर आए। यह एक ऐसी तस्वीर थी जो 2016 के उरी हमले या 2019 के पुलवामा हमले के बाद नजर नहीं आई थी।

उरी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक की थी, तो कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने उस पर सवाल उठाए थे। बीजेपी ने इस मुद्दे को राष्ट्रवाद बनाम राष्ट्र विरोधी के तौर पर पेश करके राजनीतिक लाभ उठाया था। ठीक ऐसा ही पुलवामा के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान हुआ था। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने सबूत मांगे थे, जिसके चलते पार्टी को व्यापक आलोचना का सामना करना पड़ा था। राहुल गांधी ने भी सेना के शौर्य पर विश्वास जताने के साथ-साथ पीएम मोदी पर जवानों के बलिदान की राजनीति करने का आरोप लगाया था। इन बयानों से कांग्रेस को चुनावी मैदान में भारी नुकसान उठाना पड़ा था, लेकिन इस बार कहानी बदली हुई है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद कांग्रेस ने अपने राजनीतिक कार्यक्रमों को रोक दिया, पार्टी की सर्वोच्च नीति-निर्धारण संस्था कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक बुलाई गई और राहुल गांधी ने स्वयं सेना को समर्थन देने का ऐलान किया। प्रियंका गांधी वाड्रा के सुझाव पर कांग्रेस ने अपनी ष्संविधान बचाओष रैली स्थगित कर दी, ताकि सेना के प्रति एकजुटता और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश स्पष्ट रूप से जाए। यहां तक कि कर्नाटक कांग्रेस ने भी अपनी उस सोशल मीडिया पोस्ट को हटा दिया, जिसमें शांति को सबसे बड़ा हथियार बताया गया था जो शायद मौजूदा माहौल में सेना के ऑपरेशन के संदर्भ में गलत संदेश दे सकती थी।

कांग्रेस के इस नए रुख के साथ ही अन्य विपक्षी दल भी उसी दिशा में नजर आए। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री से बात करके अपनी पार्टी का पूरा समर्थन देने की घोषणा की। यूपीए सरकार में रक्षा मंत्री रहे ए के एंटनी, जो अक्सर मोदी सरकार के आलोचक रहे हैं, उन्होंने भी ऑपरेशन सिंदूर को ह्यएक मजबूत शुरूआतह्ण बताया और सेना की निर्णायक कार्रवाई का समर्थन किया। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल, जो पहले सर्जिकल स्ट्राइक के बाद राहुल गांधी के शब्दों की आलोचना कर चुके थे, उन्होंने भी इस बार सेना के साहस की प्रशंसा करते हुए कहा कि पूरा देश एकजुट है।राष्ट्रीय जनता दल के नेता लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव ने भी ऑपरेशन सिंदूर की खुलकर सराहना की और जवानों को सलाम किया। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, जो अक्सर मोदी सरकार के आलोचक रहते हैं, उन्होंने भी इस बार सरकार के सुर में सुर मिलाया और पाकिस्तान पर की गई कार्रवाई की प्रशंसा की। यहां तक कि वामपंथी दलों ने, जो आमतौर पर सैन्य कार्रवाई पर संयम बरतने की बात करते हैं, उन्होंने भी पहलगाम हमले के बाद सरकार और सेना के साथ खड़े होने की बात कही। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) ने भी माना कि इस बार भारत के पास जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

यह पूरा घटनाक्रम भारतीय राजनीति के लिए एक नई दिशा का संकेत है। यह दशार्ता है कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता के मुद्दे पर अब राजनीतिक दल न केवल एकजुट हैं, बल्कि अपने पुराने सियासी रवैये की भी समीक्षा कर रहे हैं। कांग्रेस का यह नया रुख जहां उसे राष्ट्रवादी विमर्श में खुद को फिट करने में मदद करेगा, वहीं अन्य विपक्षी दलों के लिए भी यह संदेश है कि जनता अब केवल आरोप-प्रत्यारोप नहीं, बल्कि एकजुटता और जिम्मेदारी की राजनीति देखना चाहती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ उसकी नीति न तो नरम है, न ही विभाजित। यह केवल केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम नहीं, बल्कि विपक्ष की परिपक्व भागीदारी का भी प्रतिबिंब है। अगर इस रुख को भविष्य में भी कायम रखा गया, तो यह न केवल देश की आंतरिक राजनीति को परिपक्व बनाएगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी भारत की छवि को और सुदृढ़ करेगा।

बात पाकिस्तान की कि जाये तो वहां सेना,सरकार और विपक्ष के बीच तलवारें खींची हुई हैं। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान की सैन्य और रणनीतिक स्थिति डगमगाई हुई है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान की सियासत भी बुरी तरह बिखर गई है। जब देश को एकजुट होकर संकट का सामना करना चाहिए, तब पाकिस्तानी नेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हैं। प्रधानमंत्री और विपक्ष के बीच बढ़ती खींचतान ने पूरे मुल्क को असमंजस में डाल दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने मौजूदा सरकार पर सेना के साथ मिलीभगत और गलत फैसलों का आरोप लगाया है, वहीं सरकार का कहना है कि इमरान खान जैसे नेता युद्ध के समय भी राष्ट्रविरोधी बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे। संसद में तीखी बहस के दौरान विपक्षी नेताओं ने सेना की विफलताओं पर सवाल खड़े किए, जिससे देश की अंतरराष्ट्रीय छवि और कमजोर हुई। इस बीच, पाकिस्तानी सेना और सरकार के बीच भी समन्वय की कमी साफ नजर आ रही है। मीडिया में लीक हो रही जानकारियों के मुताबिक, कई रक्षा फैसलों पर सेना और सरकार की राय अलग-अलग रही है, जिससे फ्रंट पर रणनीतिक भ्रम की स्थिति बनी हुई है। इससे देश के आम नागरिकों में असुरक्षा और निराशा का माहौल है। जानकार मानते हैं कि इस समय पाकिस्तान को सबसे बड़ा खतरा भारत से नहीं, बल्कि अपनी बिखरी हुई राजनीतिक नेतृत्व और कमजोर रणनीतिक सोच से है।

-संजय सक्सेना

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन ने की मनपा की अतिरिक्त आयुक्त अश्विनी जोशी के साथ बैठक

मुंबई। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंदभाई परमार के नेतृत्व में मुंबई महानगरपालिका की अतिरिक्त आयुक्त डॉ. अश्विनी जोशी के कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। मनपा की इस संयुक्त बैठक में सभी यूनियनों ने मुंबई महानगरपालिका के सफाई कर्मचारियों का मुद्दा उठाया। बैठक में अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन (60) के मुंबई सचिव जीतूभाई रोझ की ओर से मुंबई महानगरपालिका के वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान सफाई कर्मचारियों के मुद्दे के बारे में अवगत कराते हुए बताया गया कि 12.8.1975 को महाराष्ट्र सरकार की ओर से लाड पागे समिति की स्थापना की गई। जबकि मनपा में 2005 में उसके नियम को अमल में लाया गया गया। यूनियन ने मांग की है कि समिति की सिफारिशों को सभी वार्डों और सभी विभागों में सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा सर्वोच्च न्यायालय के 1995 के आदेशानुसार सभी विभागों में ठेका प्रथा बंद की जाए तथा सभी विभागों में सफाई कर्मचारियों की भर्ती की जाए। (ठेका पद्धति भगाओ,वारिस हक्क नौकरी को भगाओ) तथा लाड पागे समिति की शिफारिसो में मल निकासी, मुख्य मल निसारण, गटर, मेंसुर, खाता, माली जैसे सभी कर्मचारियों व कामगारों को लाड पागे समिति का लाभ मिलना चाहिए। सुबह ११ बजे से १ बजे तक चली इस बैठक में संगठन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश टोकेकर, राष्ट्रीय सचिव एस. लीना डिसूजा, मुंबई अध्यक्ष एड. रवि गवली, मुंबई उपाध्यक्ष नवीनचंद्र मकवाना, श्रीमती मनीषा ताई खाखड़िया, सचिव जीतूभाई रोझ, विलास दिवेकर, मारुति कांबले, गायकवाड़, तथा अन्य सभी प्रतिनिधि उपस्थित थे। वहीं अधिकारियों में मुंबई महानगर पालिका की अतिरिक्त आयुक्त डॉ. अश्विनी जोशी (शहर), डीएमसी (घन कचरा व्यवस्थापन) किरण दिघावकर, मुख्य कामगार अधिकारी सुनील जागली मुख्य अभियंता प्रशांत पवार, सामान्य प्रशासन के किशोर गांधी मुख्य पर्यवेक्षक प्रवीण सांगली संयुक्त मुख्य पर्यवेक्षक सुराडकर के साथ-साथ मनपा के सभी विभागों के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अंत में गोविंदभाई परमार के द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता हेतु संगीतमय सुंदर काण्ड पाठ संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर वेस्ट के अमृतनगर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदीर पर जनसेवा वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को संगीतमय सुंदर काण्ड पाठ का आयोजन किया गया। गौरतलब है यह सुंदर काण्ड पाठ यशस्वी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद हमारी भारतीय सेना आगे भी यशस्वी हो। ढ0' भारत का हिस्सा बने।और भारत के सैनिकों को ताकत मिले इसी मनोकामना के साथ संगीतमय सुंदर काण्ड पाठ. हनुमान चालीसा और भजन का सुंदर आयोजन हमारी भारतीय सेना तथा समस्त जनमानस के कल्याण हेतु किया गया जिसमे भजन गायक विमलेश मिश्र,पप्पु त्रिवेदी की टीम ने बहुत ही मार्मिक भजन से लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया. इस अवसर पर श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, दीनानाथ सिंह,ट्रस्ट अध्यक्ष अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, राजन सिंह, राजेश सिंह, चंदमणि सिंह, राकेश दुबे, प्रेम तिवारी,मंदीर पुजारी संतोष सहित कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

खिचड़ी घोटाले में 8 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल, उद्धव ठाकरे के करीबी का भी नाम

मुंबई। कोविड महामारी के दौरान इटउ की खिचड़ी वितरण योजना में 14.57 करोड़ रुपये की हेराफेरी मामले में शुक्रवार को 8 आरोपियों के खिलाफ किला कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया है। आरोपियों पर धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और सरकारी रेकॉर्ड में फजीवाड़े के गंभीर आरोप लगे थे, जिनकी विस्तृत जांच के बाद एडह ने यह चार्जशीट दायर की है। शिकायत कल्याण में रहने वाले गोपाल पांडुरंग लवाने (36) ने दर्ज कराई थी, जो श्री वैष्णवी किचन और सह्याद्री रिफ्रेशमेंट के साझेदार हैं।

शिकायत के अनुसार, अप्रैल 2020 से जुलाई 2020 के बीच कोविड संकट के दौरान आरोपियों ने 100-200 ग्राम वजन के पैकेटों की आपूर्ति की और इटउ से 300 ग्राम प्रति पैकेट के हिसाब से भुगतान वसूला। इसमें 6.27 करोड़ रुपये का घपला किया।

आठ आरोपियों सुनील कदम उर्फ बाला कदम, राजीव सालुंखे, सुजीत पाटकर, संजय चंद्रकांत माशेलकर, प्रांजल माशेलकर, प्रीतम माशेलकर, सूरज चव्हाण और अमोल गजानन कीर्तिकर के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है। आरोपियों ने जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे, इसलिए मामले में आईपीसी की धारा 465, 468, 471 (जालसाजी और दस्तावेजों में फजीवाड़ा) भी जोड़ दी गई हैं।

भिवंडी में युद्ध जैसे आपात स्थित से निपटने के लिये किया गया मॉकड्रिल अभ्यास

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किये गए हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन हमले शुरू कर दिये। भारतीय सैनिकों ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जिससे युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई है। आम लोगों को इस स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए आपातकालीन स्थितियों के लिए तैयारियों की जांच करने के लिए केंद्रीय गृह विभाग के दिशा-निदेर्शों के अनुसार ऑपरेशन अभ्यास नामक एक मॉक ड्रिल का आयोजन पूरे देश में किया जा रहा है। इसी तरह भिवंडी के कामतघर स्थित वरालदेवी माता मंगल भवन में जिला कलेक्टर एवं नागरिक सुरक्षा बल नियंत्रक अशोक शिंगारे के मार्गदर्शन एवं उपविभागीय अधिकारी अमित सानप के नेतृत्व में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भिवंडी अग्निशमन विभाग ठाणे, आपदा प्रबंधन दल, महाराष्ट्र नागरिक सुरक्षा बल, होमगार्ड, राज्य सुरक्षा बल, पुलिस और मनपा आपदा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। इस मॉकड्रिल की शुरूआत सायरन बजाकर की गई

। युद्ध जैसी स्थिति के दौरान नागरिकों को अधिकारियों द्वारा निर्देश दिया गया कि वे बिना घबराये या अराजकता फैलाये एक ही स्थान पर रहें। इसके बाद आपातकालीन स्थिति में नागरिकों या घायलों की मदद कैसे की जाए इस पर प्रदर्शन किए गए। इस स्थान पर नागरिकों को हवाई हमलों और बम हमलों की सूचना दी गई। ऐसी स्थिति में सभी नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचने के निर्देश दिए गए तथा बिना भागे या शोर मचाए नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने संबंधित क्षेत्र में सर्च अभियान चलाने तथा घायल व फंसे हुए नागरिकों को तुरंत बचाने तथा उन्हें प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने आदि के बारे में प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए। यह मॉक ड्रिल जिलाधीश तथा नागरिक सुरक्षा बल नियंत्रक अशोक शिंगारे, अपर जिलाधीश हरिश्चंद्र पाटिल, निवासी उप जिलाधीश डॉ. संदीप माने तथा प्रांतीय दंडाधिकारी अमित सानप के मार्गदर्शन में तहसीलदार अजय घोलवे की पहल पर आयोजित की गई। भिवंडी प्रांतीय मजिस्ट्रेट अमित सानप ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था युद्ध जैसी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है और यह मॉक ड्रिल यह प्रदर्शित करने के लिए प्रस्तुत की गई थी कि नागरिकों को बिना घबराए ऐसी स्थिति से कैसे निपटना चाहिए।

सेना की कामयाबी व आतंकवाद के खात्मे के लिए हिंदू जनजागृति संस्था के महिला प्रखंड ने किया पूजन हवन

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारत और पाकिस्तान के मध्य सैन्य संघर्ष के बीच बोईसर के हनुमानजी मंदिर में आतंकवाद के खात्मे,सशस्त्र बलों के कामयाबी और देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना एवं हवन किया गया हैं। हिन्दू जनजागृति संस्था की राष्ट्रीय संगठन मंत्री तुलसी छीपा ने बताया कि आतंकवाद के खात्मे के लिए मंदिर में हवन, आरती और प्रार्थना कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, शक्ति और नकारात्मकता पर विजय के बजरंग बली से आशीर्वाद लेने के लिए ह्यहनुमान चालीचाह्न का पाठ किया गया। सेना के हर एक्शन की कामयाबी और आतंकवाद के खात्मे के लिए हिन्दू जनजागृति संस्था द्वारा बोईसर पूर्व के बाल हनुमान मंदिर मे संगठन मंत्री तुलसी छीपा और जिलाध्यक्ष फाल्गुनी पिम्पले के सानिध्य मे हवन व पूजा पाठ का आयोजन किया गया जिसमे हिन्दू जनजागृति संस्था की जिला प्रखंड की महिलाओ ने भाग लिया।

तारापुर -बोईसर में आयोजित ब्लैकआउट मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर तारापुर क्षेत्र अंतर्गत टेप्स कालोनी के मुख्य द्वार के सामने स्थित विजय कॉलोनी, रत्नसागर कॉम्प्लेक्स हाउसिंग सोसाइटी में शुक्रवार 9 मई 2025 की रात 8:00 बजे ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य संभावित हवाई हमले की स्थिति में नागरिकों को सतर्क करना और आपातकालीन तैयारी की जानकारी देना था।

मॉक ड्रिल की शुरूआत हवाई हमले के संकेत के तौर पर बजाए गए सायरन से हुई। दो मिनट तक बदलते हुए सायरन की आवाज ने लाल सिग्नल के माध्यम से खतरे की सूचना दी। इसके बाद सभी नागरिकों ने तुरंत अपने घरों की लाइटें बंद करते हुए दरवाजे और खिड़कियां भी बंद कीं, पर्दे लगाए

और खिड़कियों पर खाकी कागज चिपकाकर शांतिपूर्वक घर के अंदर रहे। करीब दस मिनट के बाद एक समान सायरन ध्वनि द्वारा हवाई हमला समाप्त होने का संकेत मिला, जिसे हरा सिग्नल कहा जाता है। इसके बाद नागरी संरक्षण दल के उपनियंत्रक के.आर. कुरकुटे ने नागरिकों को प्राथमिक उपचार, आग से बचाव के उपाय तथा ब्लैकआउट से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी। यह आयोजन जिला प्रशासन और नागरी संरक्षण दल के संयुक्त प्रयासों से संपन्न हुआ। इस ड्रिल ने नागरिकों में आपातकालीन परिस्थितियों में पालन की जाने वाली प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास को बढ़ाया। इस अवसर पर नागरी संरक्षण दल के उपनियंत्रक के.आर. कुरकुटे, विभागीय क्षेत्र रक्षक दहानू नरेश महस्के, विभागीय क्षेत्र रक्षक पालघर वाडा निलेश वझे, तारापुर पुलिस स्टेशन के पुलिस उप निरीक्षक अशोक वनसोडे, नागरी संरक्षण दल कार्यालय के कर्मचारी अनिकेत धोड़ी, अनंत पिरकर व स्वप्निल विदे के अलावा बड़ी संख्या नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवक, होमगार्ड, रत्न सागर कॉम्प्लेक्स हाउसिंग सोसाइटी के निवासियों सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

महाराष्ट्र सरकार ने मछुआरों को समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को पालघर तट पर काम करने वाले मछुआरों को सुरक्षा निर्देश जारी किए और उनसे भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर देश की समुद्री सीमा को सुरक्षित रखने के लिए सतर्क रहने को कहा। यहां एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि तटीय निगरानी बढ़ाने के संबंध में भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के बाद ये निर्देश जारी किए गए। राज्य सरकार यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि मछुआरों की अधिकतर नौकाएं ट्रांसपोंडर से

सुसज्जित हों ताकि उनके स्थानों पर नजर रखी जा सके। सरकारी अधिकारी ने बताया कि प्राधिकारियों ने पालघर तट के पास दो स्थानों की पहचान की है - जो मुंबई के उत्तर में स्थित है और जहां मछुआरे नियमित रूप से एकत्र होते हैं। प्राधिकारियों ने मछुआरों से वहां एकत्र न होने को कहा है। उन्होंने कहा, हमने मछुआरों से भी आग्रह किया है कि वे नौसेना की मदद करें और समुद्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि के बारे में पता लगने पर अधिकारियों को सतर्क करें।

चेंबूर रियल स्टेट एजेंट का प्रतिनिधि मंडल चेंबूर पुलिस से मिला

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत पाक तनाव के कारण सुरक्षा की दृष्टिकोण से चेंबूर रियल स्टेट एजेंट के संस्थापक/अध्यक्ष स्वदेश जोशी के मार्गदर्शन में 50 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल चेंबूर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सदानंद राणे से मिलकर लगभग एक घंटे तक के लम्बे बातचीत में बंग्लादशी और पाक जासूसों से बचने के लिए उपाय योजना पर चर्चा हुई।

पुलिस की तरफ से गाइडलाइन जारी कर प्रतिनिधि मंडल को निर्देशित किया गया कि घर खरीदी और बिक्री के साथ किराये पर घर देने के लिये जरूरी है कि क्रेता के मूल दस्तावेज की

गहन जांच कर लिया जाय।यदि आवश्यक हो तो पुलिस बल से सहयोग भी लिया गया तो और अच्छी बात होगी।

बातचीत के समापन पर स्वदेश जोशी ने पुलिस दल को विश्वास दिलाया कि संस्था पूरी तरह से निर्देश का पालन करेगी।

प्रतिनिधि मंडल में उपाध्यक्ष राकेश जोशी सचिव नवीन छोवाला के अलावा कई पदाधिकारी शामिल थे।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद सैनिकों के परिवारों के लिए आगे आया लोढ़ा फाउंडेशन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हमारे वीर सशस्त्र बल 140 करोड़ भारतीयों की आजादी और गरिमा की रक्षा कर रहे हैं, जिनका देश हमेशा ऋणी रहेगा। उनकी वीरता और बलिदान को सम्मानपूर्वक नमन करते हुए, लोढ़ा फाउंडेशन ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए हमारे सैनिकों के परिवारों को निम्नलिखित प्रकार से समर्थन देगाझ

1. लोढ़ा फाउंडेशन शहीदों के बच्चों की कॉलेज स्नातक तक की शिक्षा का सम्पूर्ण खर्च वहन करेगा। इसमें फीस, किताबें और हॉस्टल की सुविधाएं शामिल होंगी। इसके अलावा, लोढ़ा जीनियस प्रोग्राम के तहत इन्हें उन्नत शिक्षा और मेंटरशिप भी प्रदान की जाएगी।

2. शहीदों की पत्नी/पति को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्किलिंग और उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) का समर्थन दिया जाएगा। यदि वे इच्छुक हों, तो लोढ़ा ग्रुप और लोढ़ा फाउंडेशन में उन्हें रोजगार के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

3. शहीदों के माता-पिता के लिए अगले 20 वर्षों के लिए स्वास्थ्य बीमा की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही, देश के वीर सैनिकों और नागरिकों के परिवारों की सहायता के लिए, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपने प्राण गँवाए या स्थायी रूप से अपंग हुए, लोढ़ा फाउंडेशन

ने ऑपरेशन सिंदूर / पैट्रियट्स फंड की स्थापना की है इस फंड में प्राप्त सभी दान राशि का उपयोग इन परिवारों के कल्याण हेतु किया जाएगा। लोढ़ा फाउंडेशन सरकार और सशस्त्र बलों के साथ हरसंभव सहयोग देने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है।

मुंबई मेट्रो-3 का देवेंद्र फडणवीस करेंगे उद्घाटन

मुंबई। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसीएल) को मेट्रो-3 कॉरिडोर के दूसरे पर मेट्रो का संचालन शुरू करने के लिए मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) का सर्टिफिकेट प्राप्त हो चुका है। शनिवार से दूसरे फेज के तहत तैयार बीकेसी से आचार्य अत्रे चौक तक का मेट्रो मार्ग आम यात्रियों के लिए खुल सकता है। यात्रियों के लिए मेट्रो के द्वार खोलने से पहले शुक्रवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तैयार मेट्रो मार्ग का जायजा लेंगे। मेट्रो के इस फेज के खुल जाने से यात्री आरे से आचार्य अत्रे चौक तक अंडरग्राउंड मेट्रो से सफर कर पाएंगे। इस फेज के खुल जाने यात्री मेट्रो-3 कॉरिडोर के और 6 स्टेशन से सफर कर पाएंगे। कोलाबा से आरे के बीच 35 किमी के मार्ग पर अंडरग्राउंड मेट्रो का निर्माण किया गया है। अक्टूबर 2024 में आरे से बीकेसी के बीच 12.69 किमी के रूट पर मेट्रो सेवा की शुरूआत की गई थी। अब मेट्रो का और 9.77 किमी मार्ग यात्रियों को उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचाने के लिए तैयार हो गया है। शनिवार को मेट्रो सेवा वर्ली तक शुरू करने के साथ ही एमएमआरसीएल जुलाई तक पूरे रूट पर सेवा शुरू करने की योजना पर काम कर रही है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ई रिक्शा और पिकअप की टक्कर में आंगनबाड़ी कार्यकत्री की हुई मौत

गांव में फैली शौक की लहर

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के धवरईल गांव निवासी आंगनबाड़ी सहायिका मीरा देवी विश्वकर्मा (45 वर्ष) पत्नी गुलाबचंद की शनिवार सुबह एक सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में ई-रिक्शा चालक प्रेम बहादुर (39 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया।बाजार से लौटते समय हुआ हादसा मिली जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार सुबह लगभग 11:30 बजे की है, जब मीरा देवी कुछ सामान खरीदने के लिए धवरईल बाजार गई थीं। वापस लौटते समय धराई मंदिर के पास ई-रिक्शा और पिकअप वाहन में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मीरा देवी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।गांव में फैली शोक की लहर स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए 108 एम्बुलेंस को बुलाया और दोनों को जिला अस्पताल भिजवाया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मीरा देवी को देखते ही मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल चालक प्रेम बहादुर का इलाज अस्पताल में जारी है। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है ग्रामीणों ने पिकअप वाहन को पकड़ लिया, लेकिन उसका चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। मीरा देवी की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

आपरेशन सिंदूर के दम पर भारतीय सेना का पाक के आतंकी ठिकानों को उड़ाना वाकई काबिले तारीफ: बृजेश जायसवाल

होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में सेना के शौर्य एवं जज्बे को सलामी देते हुए स्कूल के बच्चे एवं शिक्षक

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के छितौना में स्थित होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम एवं धैर्य को हमारी आन बान शान तिरंगे के नीचे सलामी देने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्कूल के समस्त छात्र छात्राओं ने एकत्र होकर मेरी जान तिरंगा है। मेरी शान तिरंगा है गाने पर तिरंगे को लहराते हुए सलामी देकर भारत माता की जय, जय हिंद, जय भारत के जयघोष लगाये गये। इस अवसर पर नन्हे मुन्हें बच्चों के अन्दर देशभक्ति की भावना देखते बन रही थी। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक बृजेश कुमार जायसवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि जिस प्रकार से आपरेशन सिंदूर के तहत अनगिनत पाकिस्तानी मारे गये हैं उसी तरह अब इनका अस्तित्व मिट जाएगा। यह भारत के सैनिकों का सिर्फ ट्रेलर था, अभी तो पूरी फिल्म बाकी है। आपरेशन सिंदूर में अभी तो लाखों पाकिस्तानी आतंकियों की लाशें गिरना बाकी है। हम सभी लोग भारतीय फौज पर गर्व करते हैं। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक बृजेश कुमार जायसवाल के साथ पंकज मौर्य, राहुल यादव, प्रशांत शुक्ला, शिवम् शुक्ला, दिव्यांशु गुप्ता, किशन गुप्ता, सौभाग्य जायसवाल, मंजुला पाण्डेय, अंजली सिंह, शिखा सिंह, किरन पाल, पूजा यादव, नूर फात्मा, मीना मौर्या, नेहा सेठ, अंतिमा यादव, पूजा यादव, रेनू यादव समेत समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित रहें।

पाकिस्तान से तनाव के बीच यूपी में हाई अलर्ट, स्वास्थ्य कर्मियों की छुट्टियां रद्द

- पीएम मोदी से मिलने पहुंचे तीनों सेना प्रमुख, ऑपरेशन सिंदूर से दहकता पाकिस्तान
- पाकिस्तान की कार्रवाई उग्र और उकसावे वाली प्रकृति की है : विदेश सचिव मिस्त्री
- फायर ब्रिगेड विभागर की छुट्टिया रद्द, ताज महल में सुरक्षा बलों की मॉक ड्रिल
- पाकिस्तान चल रहा कायरतापूर्ण चाल, अपने ही नागरिकों को बना रहा ढाल
- पाक ने राजौरी में एडिशनल डीडीसी राजकुमार थापा के घर को बनाया निशाना, अधिकारी की मौत, पाकिस्तान ने बीते 24 घंटों में 26 जगहों पर हमला किया

डॉ इम्तियाज/शिव कुमार प्रजापति

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। पहलगाम हमला पाकिस्तान के टुकड़ों का निशानी बनता जा रहा है 22 अप्रैल 2025 को 26 लोगों की मृत्यु बहुत ही कायराना हरकत पाकिस्तानी समर्थक आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। जो पाकिस्तान सेना के निर्देश पर हो रहा था। जवाबी कार्रवाई के लिए भारतीय वायुसेना नौसेना थलसेना हाई लेवल मीटिंग के बाद भारत ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर इसके तहत भारतीय वायुसेना थल सेना और नौसेना ने मिलकर 25 मिनट में 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए जिनमें लश्कर ए तैयबा और जैश ए मोहम्मद के शिविर को ध्वस्त किया। तत्काल 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद भारतीय जवानों ने कर दिखाया और सौ आतंकी ढेर कर दिए। तब लगा कि पाकिस्तान के होश ठिकाने आ जाएंगे पर बौखलाया पाकिस्तान अभी भी सुधरने का नाम नहीं ले रहा है और अपने ही बच्चों और नागरिकों को आतंकी गतिविधियों में ढाल बनाता चला आ रहा है। जिसके कारण लगातार चार दिनों से बॉर्डर पर घमासान की आवाज गूंज रही है। जिसका भारतीय आर्मी लगातार पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को धराशायी कर दे रही है। जम्मू कश्मीर से गुजरात तक 36 जगह से अधिक स्थानों पर पाकिस्तान ने रात में ड्रोन से हमले की कोशिश की थी परंतु भारत के जवानों ने नाकाम कर दिया।

गुजरात पंजाब सहित अन्य जगहों पर पाकिस्तान के हथियार बंद ड्रोन को सफलतापूर्वक लगातार मार गिराया है पाकिस्तान को नभ थल के साथ जल में पस्त करने की तैयारी भारत ने भी शुरू कर दिया। खोले डैम के गेट पाकिस्तान लगातार ड्रोन से रात में नापाक चाल चलते हुए हमले का कई बार प्रयास किया। परंतु भारत के वीर जवान लगातार सभी ड्रोन हमले को नाकाम चले आ रहे हैं।

प्रेस कांफ्रेंस में कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया कि पाकिस्तान ने लाहौर से उड़ान भरने वाले नागरिक विमानों की आड़ लेकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई मार्गों का दुरूपयोग किया ताकि वो अपनी गतिविधियां छुपा सके।

पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर, अमृतसर सहित राजस्थान के बॉर्डर से सटे शहरों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान ने बीते 24 घंटों में 26 जगहों पर हमला किया। इसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की है। एलओसी पर कई जगहों पर रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। इस बीच पाकिस्तान की मीडिया ने दावा किया है कि उनके 3 एयरबेस को निशाना बनाया गया है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, "सेना ने एडवाइजरी दी है कि अगर कोई विस्फोट होता है, तो तुरंत पुलिस या सेना को सूचित करें। खुद से उस स्थान पर न जाएं क्योंकि वहां (वस्तु के) कुछ जीवित हिस्से भी हो सकते हैं...मैं सभी से आग्रह करता हूं कि घबराएं नहीं और न ही अफवाहों पर विश्वास करें। सेना हर 2 घंटे में आपको अपडेट कर रही है...अगर आपको किसी बम, ड्रोन या मिसाइल का कोई हिस्सा मिलता है, तो तुरंत पुलिस या सेना को सूचित करें। वे वहां आएंगे और उसे निष्क्रिय कर देंगे।

पानी को तरस रहे हैं स्कूल के बच्चे

शिया इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों की दुर्दशा का वायरल वीडियो में उजागर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर के प्रतिष्ठित शिया इंटर कॉलेज की व्यवस्थाओं की पोल खोलता एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि शिया इंटर कॉलेज के छात्र पास ही स्थित शिया डिग्री कॉलेज में लगे पेयजल की व्यवस्था से पानी पीने को मजबूर हैं। यह दृश्य न केवल स्कूल प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि बच्चों की बुनियादी जरूरतों की अनदेखी का भी प्रमाण है।

स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों का कहना है कि इंटर कॉलेज में लंबे समय से पीने के पानी की सुविधा या तो बंद पड़ी है या पूरी तरह नदारद है। गर्मी के इस मौसम में, जब पारा चढ़ता जा रहा है, ऐसे में छात्रों को प्यास बुझाने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। कई बार वे अपनी पढ़ाई छोड़कर डिग्री कॉलेज तक जाना पड़ता है, जहां से वे जैसे-तैसे पानी की व्यवस्था करते हैं। इस पूरे मामले को लेकर अभिभावकों में भी रोष है। उनका कहना है कि जब सरकार और प्रशासन शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने की बात करते हैं, तो बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराना उनकी पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए।

वायरल वीडियो पर अब तक कॉलेज प्रशासन या संबंधित विभाग की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यदि जल्द ही पीने के पानी की व्यवस्था नहीं की गई, तो अभिभावकों और छात्रों द्वारा विरोध प्रदर्शन की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि शिया इंटर कॉलेज नगर क्षेत्र के पुराने और प्रमुख शिक्षण संस्थानों में से एक है, जहां सैकड़ों छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। ऐसे में पेयजल जैसी मौलिक सुविधा का अभाव एक गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

क्या प्रशासन इस ओर ध्यान देगा या फिर छात्रों को यूं ही प्यासा रहकर शिक्षा हासिल करनी पड़ेगी?

चलते-चलते धू-धू कर जल उठी कार, बाल-बाल बचा ड्राइवर

डॉ.एस.के. मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में लंका थाना क्षेत्र के लोटूबीर के पास एक कार में अचानक आग लग गई। यह देख लोगों में दहशत फैल गई। सूचना पर थाना लंका पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन करने पर पता चला कि गाड़ी कोटा से मुजफ्फरपुर यात्री को पहुंचा कर आ रही थी। कार वाराणसी से दूसरे यात्री को लेने जा रही थी। इसी दौरान लोटूबीर सर्विस लेन से नीचे पहुंचते ही वाहन में आग लग गई। उक्त सूचना पर पुलिस बल के साथ चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड एवं पुलिस टीम की मदद से आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि आग की घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। गाड़ी के ड्राइवर गुरतेज सिंह पुत्र जगतार सिंह निवासी ग्राम खैरोली थाना तालेड़ा जिला बूंदी राजस्थान ने बताया कि चलते-चलते अचानक कार की एसी से धुआं निकलने लगा। इस दौरान चालक कार से उतर गया। इसी बीच आग लग गई।

थाना समाधान दिवस का हुआ आयोजन, 20 में से 5 का हुआ तुरंत निस्तारण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में थाना सिकरारा में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी के समक्ष कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से पांच 5 का निस्तारण किया गया और शेष शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को ससमय गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने जनता की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद सम्बन्धी तथा गंभीर प्रकरण की शिकायतों को प्राथमिकता पर रखते हुए पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एक दूजे के हुए प्रेमी युगल, थाने में हुआ समझौता

शाहगंज,जौनपुर(उत्तशक्ति)। किसी शायर ने कहा की ये इश्क नही आसां बस इतना समझ लीजे इक आग का दरिया है और डूब के पार जाना है। कुछ ऐसा ही मामला नगर के एक मुहल्ला निवासी युवती का ग्राम गढाना थाना खुटहन निवासी शुभम उर्फ शिवम से शोसल मीडिया के जरिए एक दूसरे से सम्पर्क में आये और धीरे धीरे काफी नजदीकियां बढ़ने लगी।समय बीतने के साथ साथ दोनों एक दूसरे से छुप छुपाकर मिलने लगे। जब परिजनों को इसकी भनक लगी तो इनपर बंदिशें लगने शुरू हो गए।मगर दोनों के ऊपर प्यार का बुखार इस कदर हावी था की वो किसी भी तरह से अलग होने को तैयार नही हुए और फिर दोनों प्रेमी युगल एक बिना घर से बताए कोर्ट मैरिज कर लिया। जब इस बात की जानकारी युवती के परिजनों को हुई तो शनिवार को मामला थाना पहुंच गया। जहां कोतवाली पुलिस ने दोनों पक्षों और युवक-युवती के बालिग और कोर्ट मैरिज के सटीर्फीकेट के आधार पर दोनों पक्षों को समझा बुझाया।और दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से पुलिस के समक्ष सुलह कर लिया। पुलिस ने लड़के पक्ष को हिदायत दिया की लड़की की तरफ से एक कोई शिकायत आती है विधिक कार्यवाई की जाएगी।अंततः लड़का पक्ष लड़की को थाने से विदा कर अपने घर ले गया। बढ़ते शोसल मीडिया पर उपजे प्रेम प्रसंग को लेकर लोगों में चर्चा का विषय बना रहा।

सड़क किनारे गड्ढे में स्टाम्प विक्रेता का मिला शव

- शादी समारोह से बाइक से लौट रहे थे घर
- मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम

शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत बडौना गांव के समीप सड़क किनारे गड्ढे में बड़ागांव निवासी एक व्यक्ति का शव मिला। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला तो मृतक की पहचान देवेंद्र गुप्ता के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्र के बड़ागांव निवासी 45 वर्षीय देवेन्द्र गुप्ता पुत्र राम अकबाल गुप्ता शुक्रवार को परकौलिया गांव से शादी समारोह से बाइक से वापस घर आ रहें थे। बडौना गांव के समीप तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से सड़क के किनारे गढ्ढे में गिरने से डूबने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाल कर घटना की सूचना परिजनों को दिया। वहीं मृतक तहसील में स्टाम्प बेचने का कार्य करते थे। मृतक की तीन बेटियां व एक बेटा है। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विधवा महिला के मकान निर्माण कार्य को रोक रहे दबंग, महिला और उसके बूढ़े ससुर ने थाने में लगाई गुहार

विशाल सोनी, शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दबंगों के हौसले इतने बुलन्द हैं एक विधवा महिला को आवंटित हुए ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत मिले कालोनी को भी दबंग बनने नही दे रहे। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के हुसैनाबाद निवासी खुशबू यादव पत्नी स्व.ईश्वर लाल अपने बूढ़े ससुर माले उर्फ बलिहारी को लेकर कोतवाली पहुंच कर समाधान दिवस पर पुलिस और तहसीलदार आशीष सिंह से गुहार लगाई की हम कालोनी बनवा रहे हैं। जिसे पड़ोस का ही दबंग कांता प्रसाद निर्माण कार्य मे व्यवधान उतपन्न कर रहा है मना करने पर फौजदारी पर आमादा हो जाता है।

बिना रजिस्ट्रेशन भगवान भरोसे चल रहा अस्पताल, विभाग मौन

अप्रशिक्षित कर रहे ऑपरेशन, मरीजों का हो रहा शोषण

खेतासराय, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज सोंधी विकास खंड के अरंद गांव में एक किराए के कमरे में संचालित हो रहा कथित निजी अस्पताल न तो पंजीकृत है और न ही किसी मानक का पालन करता है। बावजूद इसके, यहां निडर होकर स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर मरीजों का शोषण हो रहा है।स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी मामले को और भी संदेहास्पद बना रही है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार अस्पताल में न तो कोई अनुभवी डॉक्टर है और न ही प्रशिक्षित स्टाफ। गर्भवती महिलाओं को डरा-धमकाकर अनावश्यक ऑपरेशन के लिए मजबूर किया जाता है। ऑपरेशन के बाद जब मरीज की हालत बिगड़ती है, तो आनन-फानन में उन्हें किसी बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया जाता है, जहां पर संचालक को मोटा कमीशन भी मिलता है। बताया जाता है कि यह अस्पताल बिना किसी पंजीकरण या डिग्री के, भगवान भरोसे चल रहा है। स्थानीय स्तर पर सक्रिय कुछ दलाल गांवों से मरीजों को बहला फुसला कर अस्पताल में लेकर आते हैं, जहां पहले तो उन्हें महंगी और अनावश्यक जांच के जाल में फंसाया जाता है और फिर भय का माहौल बनाकर सीजर, ऑपरेशन के लिए मजबूर किया जाता है।गांव निवासी रविन्द्र कुमार ने बताया कि अस्पताल पूरी तरह से अवैध रुप से संचालित हो रहा है और प्रतिदिन कई मरीज इसके शिकार बन रहे हैं। वहीं, उर्मिला देवी का कहना है कि अस्पताल संचालक रसूखदार हैं और वर्षों से यह स्वास्थ्य विभाग की आंख में धूल झोंकते हुए बेधड़क चल रहा हैं।सरकारी सुविधाओं के होते हुए भी ग्रामीण जाल में फंसते हैं। मामले को लेकर प्रभारी चिकित्साधिकारी, पीएचसी सोंधी डॉ. सूर्य प्रकाश यादव से बात की गई तो उन्होंने कहा कि अस्पताल का शीघ्र ही भौतिक निरीक्षण किया जाएगा, यदि अनियमितता पाई जाती है तो दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कोर्ट में हाजिर न होने पर पुलिस ने तीन वारंटियों को दबोचा

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोर्ट से फरार चल रहे तीन वारंटियों को शनिवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार सभी वारंटी को लिखापढ़ी के बाद कोर्ट में पेश कर दिया है।खेतासराय क्षेत्र से तीन लोग लंबे समय से कोर्ट में उपस्थित नहीं हो पा रहे थे। कोर्ट ने आरोपियों के वारंट जारी कर पुलिस को गिरफ्तारी के आदेश दिए। पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों पर दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय के अनुसार आरोपियों के नाम धीरेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 दिनेश चन्द निवासी गोलबाजार व अब्दुल कादिर उर्फ झिनकू पुत्र नसरुल्लाह निवासी बाराकला और जयनारायण यादव पुत्र रामधनी यादव निवासी मनेछा बताए गए है। पुलिस ने सभी आरोपियों को लिखापढ़ी के बाद कोर्ट में पेश कर दिया है।

कथावाचक का संदिग्ध हाल में मिला रेलवे ट्रैक पर शव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के मस्थरी गांव निवासी पूर्व शिक्षक व कथा वाचक लालजी उपाध्याय (60) का शव गुरुवार देर शाम बदलापुर स्थित श्रीकृष्ण नगर रेलवे स्टेशन के पूरब रेलवे पटरी पर मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिजनों को सूचित किया। घटना संदिग्ध मानी जा रही है,वहीं परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लालजी उपाध्याय गुरुवार सुबह अपने घर से बदलापुर तहसील जाने के लिए निकले थे। देर शाम परिजनों को एक फोन कॉल के माध्यम से घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद वे तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे।मृतक पूर्व में कौशिल्या देवी जयसवाल इंटर कॉलेज में शिक्षक पद पर कार्यरत थे। सेवा निवृत्ति के बाद वे क्षेत्र के एक हनुमान मंदिर में नियमित रूप से धार्मिक कथाओं का आयोजन करते थे और स्थानीय लोगों में अत्यंत सम्मानित माने जाते थे। परिवार और पड़ोसियों के साथ जमीन विवाद को लेकर उनके कई मामले न्यायालय में विचाराधीन थे, जिसके चलते वे तनावग्रस्त रहते थे। उनके दो पुत्र किशन और बलदाऊ हैं, और तीन पुत्रियाँ हैं जिनकी शादी हो चुकी है। घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। लोग बता रहे हैं कि वे बहुत सरल और सीधे-सादे स्वभाव के व्यक्ति थे।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में करियर अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के इंजीनियरिंग संस्थान में सनबीम स्कूल जौनपुर के विद्यार्थियों द्वारा शुक्रवार को शैक्षणिक भ्रमण किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य करियर अवेयरनेस प्रोग्राम एवं विद्यार्थियों को उच्च तकनीकी शिक्षा, नवाचार, और शोध कार्यों की वास्तविक कार्यप्रणाली से अवगत कराना था। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (आई ओ टी, डाटा साइंस, एआई एमएल) एवं इंजीनियरिंग संस्थान के अन्य विभागों का अवलोकन किया। पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, अनुसंधान केंद्रों एवं प्रोजेक्ट वर्क्स को देखने के दौरान उन्हें शिक्षकों और शोधकताओं द्वारा संबंधित तकनीकी जानकारियां प्रदान की गईं। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित पुस्तकालय, स्टेडियम एवं सरोवर का भी भ्रमण किया।

बेटी स्वावलंबन सुरक्षा समिति ने तिरंगा झंडा के साथ निकाली भारतीय सेना शौर्य पराक्रम पद यात्रा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बेटी स्वावलंबन सुरक्षा समिति के संस्थापक/ अध्यक्ष डी के अग्रवाल के आह्वान पर 10 मई को ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत भारतीय सेना के द्वारा किए गए पराक्रम पर सेना शौर्य पराक्रम पद यात्रा जेसीज चौराहा से कलेक्ट्री जौनपुर पहुंच कर समाप्त किया।

पराक्रम यात्रा में सैकड़ो की संख्या में बैंड बाजे के साथ सदस्यों ने हिंदुस्तान जिंदाबाद और आतंकवाद मुदार्बाद के नारे लगाए। संस्थापक /अध्यक्ष डी के अग्रवाल ने भारतीय सेना के द्वारा किए गए कार्यों का प्रशंसा किया और ऑपरेशन सिंदूर का सराहना किया, पदयात्रा का नेतृत्व चंद्रावती निगम ने किया व्यापारियों ने भारतीय सेना जिंदाबाद हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए जेसीज चौराहा से कलेक्ट्री पहुंचकर सदस्यों की संगोष्ठी में परिवर्तित हो गया।

डॉ अंजना सिंह ने भारतीय सेना के साथ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना किया, सन्तोष अग्रहरि ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर में शामिल सेना के सभी अधिकारियों का प्रशंसा किया तथा पहलगाम हमले में विधवा हुई सभी महिलाओं के दुख को थोड़ा कम करने वाला कार्य बताया, तथा 9 आतंकवादी कैंप तबाह करते हुए लगभग 250 आतंकवादियों को मौत के घाट उतारने पर सेना के इस पराक्रम से हिंदुस्तानी जनता के गुस्से में थोड़ा कमी आई। त्रिभुवन शर्मा, अखिलेश सिंह, पत्रकार शाहिद अली, अखिलेश मौर्या रोहित चौबे मनोज सेठ किरन रेनू शोभा रंजना तनवीर अहमद उपेंद्र मौर्य भरत भवाल चौहान अमित चौहान चेतना श्रीवास्तव प्रियंका सिंह साधना सिंह प्रमिला पांडेय प्रियंका गौतम सीमा गौतम बिंदू पाण्डेय। बाला मोनिका गौतम निशा चंद्रकला मंजू पांडे सोनी सिंह चौहान के साथ सैकड़ो सदस्यों की उपस्थित रही, सेना शौर्य पराक्रम पदयात्रा का नेतृत्व चंद्रावती निगम/स्वदेश कुमार ने किया। उपस्थित सदस्यों का आभार कार्यक्रम संयोजक रखी सिंह ने व्यक्त किया।

भटेहरा के शिव मंदिर पर अखंड रामायण पाठ संपन्न

जौनपुर। जनपद के बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित भटेहरा गांव में कमला प्रसाद तिवारी (बड़े बाबू) के यहां शिव मंदिर पर अखंड रामायण पाठ का भव्य आयोजन किया गया है। आज पहले दिन अनेक गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में शिव शंकर तिवारी, सचिंद्रनाथ तिवारी, डॉ श्रीपाल पांडे, रामानंद पांडे, राम कीरत दुबे, एडवोकेट गौरीशंकर मिश्रा, राम जियावन तिवारी, अनिल दुबे, अशोक दुबे, मुरारी सिंह, पत्रकार शिवपूजन पांडे, डॉ ओम प्रकाश दुबे, डॉ विजय शंकर तिवारी, संजय तिवारी,डॉ विनोद मिश्र, शेर बहादुर मौर्य, संजय चतुर्वेदी, अनिल मौर्य, राजेंद्र तिवारी, शुभम तिवारी, धर्मेंद्र शुक्ला, राकेश दुबे, डॉ चंद्रकांत शुक्ला समेत अनेक लोगों का समावेश रहा। कार्यक्रम के आयोजन में राकेश कुमार तिवारी, प्रवक्ता मयाशंकर तिवारी, जैनेंद्र कुमार तिवारी, रमाकांत तिवारी, दयाशंकर, नवनीत तिवारी शैलेंद्र कुमार, संजय कुमार, अमित कुमार, कनिष्क, युवा गायक हरिओम तिवारी, अनुराग सुधांशु तिवारी तथा पूरा परिवार पूरे श्रद्धा भाव के साथ लोगों के आवभगत में लगा रहा। कल 11 मई को प्रीति भोज का आयोजन किया गया है।

इन्दिरा आईवीएफ ने बुलढाणा महाराष्ट्र में शुरू किया नया हॉस्पिटल

बुलढाणा। इन्दिरा आईवीएफ ने बुलढाणा में अपने नवीनतम फर्टिलिटी क्लिनिक का उद्घाटन किया है, जिससे महाराष्ट्र में ग्रुप की उपस्थिति और मजबूत हुई है। यह नया सेंटर फर्स्ट फ्लोर, कलश बिल्डिंग, सर्कुलर रोड, धाड नाका, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्केट यार्ड के पास, छत्रपति नगर, बुलढाणा में शुरू किया गया है। यह राज्य में इन्दिरा आईवीएफ का 29वां क्लिनिक है, जो इस बढ़ते क्षेत्र के लोगों को रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर सेवाएं प्रदान करेगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बुलढाणा के सिविल सर्जन डॉ. भागवत भुसारी, बुलढाणा गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. कैलाश जिणे, डिस्ट्रिक्ट वुमन्स हॉस्पिटल के एमएस डॉ. प्रशांत पाटिल और आईएमए प्रेसिडेंट डॉ. अजीत शिरसाट उपस्थित रहे। साथ ही कार्यक्रम में अतिथि विशेष के रूप में आईवीएफ स्पेशलिस्ट, इन्दिरा आईवीएफ छत्रपतिसंभाजी नगर सेंटर हेड और सीनियर एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. धोंडीराम भारती और एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, गायनेकोलॉजिस्ट एंड आईवीएफ स्पेशलिस्ट एंड सेंटर हेड इन्दिरा आईवीएफ बुलढाणा डॉ. सीमा काले भी उपस्थित रही। उद्घाटन के अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. भागवत भुसारी ने कहा कि इन्दिरा आईवीएफ की एडवांस रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर सेवाओं की शुरूआत बुलढाणा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे स्थानीय निवासियों की विशेषज्ञ उपचार तक पहुंच आसान होगी, जिससे उन्हें रिप्रोडक्टिव हेल्थ जर्नी में बेहतर मार्गदर्शन मिल पाएगा। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज बुलढाणा के डीन डॉ. कैलाश जिणे ने कहा कि इस क्लिनिक का उद्घाटन ग्रुप की समग्र हेल्थकेयर के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर सेवाओं को स्थानीय ढांचे में शामिल करके यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि मरीजों को अब विशेषज्ञ उपचार प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े। यह सुविधा बुलढाणा में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में निश्चित रूप से अहम भूमिका निभाएगी। डिस्ट्रिक्ट वुमन्स हॉस्पिटल के एमएस डॉ. प्रशांत पाटिल ने कहा कि इन्दिरा आईवीएफ की शुरूआत एक समयानुकूल और महत्वपूर्ण कदम है, जो स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देगा और रिप्रोडक्टिव हेल्थ के क्षेत्र में समय पर जांचों और उपचार के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करेगा। यह मरीजों को निःसंतानता से संबंधित उपचार प्राप्त करने के अवसर प्रदान करता है, जिससे बेहतर परिणाम सुनिश्चित होंगे। आईएमए प्रेसिडेंट डॉ. अजीत शिरसाट ने कहा कि यह नई सुविधा बुलढाणा को एडवांस हेल्थकेयर के क्षेत्र और मजबूत बनाती है। इससे मरीजों को डॉक्टर्स के माध्यम से स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ सेवाओं का लाभ मिलेगा। इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पिटल लिमिटेड के एमडी नितिज मुर्डिया ने बधाई देते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य तकनीकी रूप से मजबूत और विशेषज्ञ आईवीएफ सेवाओं को देशभर में पहुंचाना है। बुलढाणा में यह नया केंद्र हमारे मिशन की दिशा में एक और कदम है, जो हाई क्वालिटी, रोगी-केंद्रित देखभाल को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाता है। आईवीएफ स्पेशलिस्ट एंड एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर इन्दिरा आईवीएफ छत्रपति संभाजीनगर डॉ. धोंडीराम भारती ने कहा कि इस क्लिनिक की स्थापना हमारे उस मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर को अधिक सुलभ बनाना है। हम समझते हैं कि मरीजों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और इस नई सुविधा के माध्यम से हमारा प्रयास है कि उन्हें उनके क्षेत्र में ही विशेषज्ञता के साथ आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए, ताकि वे अपनी हेल्थ से जुड़े निर्णय आसानी से ले सकें। गायनेकोलॉजिस्ट एंड आईवीएफ स्पेशलिस्ट एंड सेंटर हेड इन्दिरा आईवीएफ बुलढाणा डॉ. सीमा काले ने कहा कि हमारा हर नया सेंटर यह दशार्ता है कि हम कम्युनिटी लेवल पर फर्टिलिटी हेल्थ की जरूरत को समझते हैं और उसका समाधान प्रदान करके इसमें एक सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। बुलढाणा में हमारा मुख्य उद्देश्य है कि फर्टिलिटी समस्या और समाधान पर हम बातचीत की शुरूआत करें, समय पर परामर्श को प्रोत्साहित करें, और यह सुनिश्चित करें कि हर व्यक्ति को उसकी रिप्रोडक्टिव जर्नी की हर स्टेज में पूरा सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त हो। भारत में 150 से अधिक क्लीनिक्स के अपने फर्टिलिटी सेवाओं के नेटवर्क में एक और महत्वपूर्ण कड़ी जोड़ते हुए, बुलढाणा सेंटर रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर की पहुंच के अंतर को कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

नल से मुंह धोते समय छात्र की करंट से मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। महराजगंज थाना क्षेत्र के गोसाईपुर गांव में शुक्रवार को नल पर मुंह धोते समय करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। बेटे की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। महराजगंज थाना क्षेत्र के गोसाईपुर गांव निवासी परविंद गौंड (18) पुत्र बेचन गौंड शुक्रवार दोपहर दो बजे अपने घर पर नल पर मुंह धो रहे थे। इस दौरान नल में करंट उतरने से वह करंट की चपेट में आकर झुलस गए। गंभीर हालत देख परिजन उसे तुरंत महराजगंज अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे रेफर कर दिया। परिजन उसे जिला अस्पताल ले आए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक परविंद 12वीं का छात्र था और अपने दो भाइयों व तीन बहनों में सबसे छोटा था। इस हादसे से परिवार और गांव में शोक की लहर है।

एसएससीईआरटी उत्तराखंड और उद्यम लर्निंग फाउंडेशन के सहयोग से 'कौशलम' पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

देहरादून। अब उत्तराखंड में पढ़ाई सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रह गई है। बच्चों को बेहतर जीवन के लिए तैयार करने वाली पढ़ाई की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए देहरादून में तीन दिवसीय 'कौशलमराज्य संदर्भ समूह कार्यशाला' का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के सभागार में उद्यम लर्निंग फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। इस कार्यशाला में राज्य के सभी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डीआईईटी) से कौशलम् के समन्वयक और एससीईआरटी के सदस्य शामिल हुए। उन्हें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए तैयार किए गए नए कौशलम्-पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण दिया गया, ताकि ये राज्य सन्दर्भ समूह के सदस्य आगे चलकर अन्य शिक्षकों और मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित कर सकें। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में चारों कक्षाओं के पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से प्रतिभागियों को बताया गया और उसके अनुसार अभ्यास भी कराए गए:

कक्षा 9: समस्या समाधान प्रोजेक्ट: छात्रों ने अपने विद्यालयों की समस्याओं को गहराई से समझकर, समस्या का समाधान निकलने की कला सीखी।

कक्षा 10: करियर अन्वेषण प्रोजेक्ट: छात्रों ने विभिन्न करियर क्षेत्रों में अपनी रुचि व सामर्थ्य की पहचान की और रिसर्च कर उन पर जानकारी हासिल की।

कक्षा 11: व्यवसाय प्रोजेक्ट: छात्रों ने 3पी (पीपल, प्लेनेट, प्रॉफिट) अवधारणा को ध्यान में

रखते हुए एक व्यवसाय प्रोजेक्ट पर काम किया। कक्षा 12: रूचि आधारित प्रोजेक्ट: छात्रों ने रूचि के आधार पर अपने प्रोजेक्ट की स्वयं रचना की।

सभी सत्र इस तरह डिजाइन किए गए थे कि राज्य सन्दर्भ समूह के सदस्य यानि मास्टर ट्रेनर्स न सिर्फ इन प्रोजेक्ट-आधारित पाठ्यक्रमों को समझें, बल्कि समस्या समाधान, करियर खोज, व्यावसायिक सोच और रुचि आधारित रचनात्मकता, इन चारों स्तरों को स्वयं अनुभव भी कर सकें। शिक्षकों और ट्रेनर्स की भागीदारी सिर्फ औपचारिक प्रशिक्षण नहीं थी, बल्कि यह शिक्षण की पारंपरिक धारणा में बदलाव और छात्रों के साथ नए दृष्टिकोण से जुड़ने की शुरूआत भी थी। एससीईआरटी ने इस कार्यशाला के संचालन में मुख्य भूमिका निभाई, जबकि उद्यम लर्निंग फाउंडेशन एक सहयोगी संगठन के रूप में इसमें गहराई से जुड़ा रहा। इसका उद्देश्य शिक्षा को केवल किताबी न रखकर, व्यावहारिक और जीवन उपयोगी बनाना है। उद्घाटन सत्र में कई वरिष्ठ शिक्षाविदों ने भाग लिया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में एससीईआरटी उत्तराखंड के अपर निदेशक पदमेंद्र शकलानी द्वारा सभी उपस्थित प्रतिभागियों को कौशलम् कार्यक्रम की महत्ता एवं धरातल पर कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए अपना महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया गया। उनके द्वारा सभी प्रतिभागियों को आगामी तीन दिनों तक कौशलम् पाठ्यचर्या को गहराई से समझने के लिए प्रोत्साहित किया गया, ताकि इसका लाभ छात्रों तक पहुँच सके। एससीईआरटी उत्तराखंड के अपर निदेशक श्री पदमेंद्र शकलानी ने कौशलम की जरूरत और उपयोगिता को रेखांकित करते हुए कहा, ₹यह प्रशिक्षण एक जिम्मेदारी है, जिससे हर शिक्षक इन विषयों को गहराई से समझकर छात्रों तक पहुँचा सके। सहायक निदेशक डॉ. के एन बिजल्वाण द्वारा कार्यक्रम को निर्धारित उदेश्यों के अनुसार संचालित करते हुए और जोर देते हुए उद्यमशील शिक्षक, उद्यमशील विद्यालय अवं उद्यमशील जनपद की अवधारणा को विकसित करने पर बल दिया गया। उद्यम लर्निंग फाउंडेशन के राज्य समन्वयक रोहित गुप्ता ने कहा, ₹कौशलम एक दूरदर्शी कार्यक्रम है, जो शिक्षा को रोजगार और जीवन से जोड़ता है। यह प्रशिक्षण आने वाले समय में राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि साबित होगा। आने वाले दिनों में ये एसआरजी ट्रेनर्स आगे चलकर मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित करेंगे, ताकि वे अपने जिलों में शिक्षकों के लिए प्रभावी, संवादात्मक और प्रेरणादायक सत्र आयोजित कर सकें। यह सिर्फ जानकारी बाँटने का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा में बदलाव की शुरूआत है, जहाँ शिक्षक खुद इस परिवर्तन के वाहक बनते हैं।

अजान देने जा रहे इमाम का शव पेड़ से लटका मिला

रामपुर (उत्तरशक्ति)। खौदपुरा गांव में शनिवार मस्जिद में अजान देने के लिए निकले इमाम हाफिज अहमद हसन अंसारी (65) का शव गांव के बाहर आम के बाग में पेड़ से लटका मिला। काफी देर तक मस्जिद में न पहुंचने पर लोगों ने खोजबीन शुरू की थी, जिसके बाद यह मामला सामने आया। परिजनों और ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई है। वहीं, मस्जिद के माइक और बोर्ड से छेड़छाड़ की बात सामने आई है। मृतक के बेटे ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की तहरीर दी है। हालांकि पुलिस फिलहाल इसे आत्महत्या मान रही है। गांव खौदपुरा निवासी हाफिज अहमद हसन अंसारी कई वर्षों से मस्जिद में इमामत और अजान देने का कार्य कर रहे थे। शनिवार सुबह लगभग चार बजे वह अजान देने के लिए घर से निकले थे। काफी देर तक अजान

न होने और मस्जिद में उनके न पहुंचने पर नमाजियों ने मस्जिद के दूसरे इमाम मौलाना हामिद रजा को सूचना दी। हामिद रजा जब मस्जिद पहुंचे तो उन्होंने देखा कि माइक की तार टूटी हुई थी और पास लगे बोर्ड में भी छेड़छाड़ की गई थी। गांव निवासी इंतेजार अहमद ने माइक की मरम्मत कर अजान दी। इसके बाद हाफिज अहमद हसन को कॉल किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। सुबह लगभग छह बजे खेत पर जा रहे एक ग्रामीण ने आम के बाग में उनका शव पेड़ से लटका देखा। इससे गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों का कहना है कि शव के पैर मुड़े हुए थे और जमीन से सटे थे, जिससे हत्या कर आत्महत्या का रूप देने की आशंका को बल मिलता है। शव के पैरों में चप्पल भी थी, जो आत्महत्या के सामान्य स्वरूप से मेल नहीं खाती। मृतक के पुत्र कल्वे हसन ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या की तहरीर दी है। थानाध्यक्ष अमर सिंह राठौर ने बताया कि शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में लटकने के कारण मौत की पुष्टि हुई है। हालांकि, परिजनों की शिकायत पर हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस ने गांव में लगे एक सीसीटीवी कैमरे की जांच की, जिसमें सुबह 4:19 बजे हाफिज अहमद हसन तेज कदमों से आम के बाग की ओर जाते दिखाई दे रहे हैं। इससे पुलिस आत्महत्या की संभावना पर जोर दे रही है, लेकिन परिजन इससे सहमत नहीं हैं।

मस्जिद के माइक और बोर्ड से छेड़छाड़ की घटना से मामला और गंभीर हो गया है। मौलाना हामिद रजा ने बताया कि इमाम साहब बीते कुछ दिनों से तनाव में थे और शुक्रवार शाम वह यूट्यूब पर भारत-पाक युद्ध से संबंधित वीडियोज देख रहे थे। उन्होंने बताया था कि उनके मोबाइल पर कुछ संदेश भी आ रहे थे।

एचएमएसआई ने 2025 सीबी650आर और सीबीआर650आर को लॉन्च किया

पटना (उत्तरशक्ति)। भारत में प्रीमियम मोटरसाइक्लिंग के क्षेत्र को नए आयाम देते हुए होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने 2025 सीबी650आर और सीबीआर650आर को लॉन्च किया है।

ये मिडल-वेट 650सीसी मोटरसाइकिल भारत में होंडा की एडवांस्ड ई-क्लच टेक्नोलॉजी से लैस पहली बाइक हैं। एचएमएसआई ने घोषणा की है कि सभी बिगविंग डीलरशिप पर बुकिंग शुरू हो चुकी है, और मई 2025 के अंतिम सप्ताह से डिलीवरी की योजना है। सीबी650आर की कीमत 9.60 लाख रुपये और सीबीआर650आर की कीमत 10.40 लाख रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) रखी गई है। लॉन्च के अवसर पर होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीइओ, त्सुत्सुमु ओटानी, ने कहा कि होंडा का मिशन हमेशा राइडिंग को नए टेक्नोलॉजी इनोवेशन से और ज्यादा एडवांस, सेफ और एक्साइटिंग बनाना रहा है। होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के डायरेक्टर - सेल्स एंड मार्केटिंग, योगेश माथुर, ने इस लॉन्च पर कहा कि हम इंडियन राइडर्स के लिए नई सीबी650आर और सीबीआर650आर को लेकर काफी एक्साइटेड हैं, अब ये क्रांतिकारी ई-क्लच टेक्नोलॉजी के साथ पेश की गई हैं।

सोफिया कुरेशी और व्योमिका सिंह राष्ट्र का गौरव हैं: प्रेमभूषण महाराज

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। प्रतापगढ़ पट्टी में आयोजित रामकथा में परम पूज्य गुरुदेव प्रेम भूषण महाराज ने कहा कि प्रेम में मिलन की तड़प होती है,सच्चा प्रेम मिलने के लिए लंबी प्रतिक्षा भी करना पड़ता है । किंतु वह बिना मिले रहता नही। प्रतापगढ़ से मुझे बहुत प्रेम है।यह उद्गार पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने व्यासपीठ से व्यक्त किया।किष्किंधा कांड की कथा में प्रवेश करते हुए प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि जीव के पास भजन को छोड़ अन्य सभी चीजों के लिए समय है,इसलिए सांसारिक कार्यो के साथ भजन भी करते रहना चाहिए क्योंकि यह जीवन क्षण भंगुर है फिर समय नही मिलेगा।सुग्रीव जी के आदेश से सीता मइया के अन्वेषण के लिए समस्त कपियो को बुलाया जाता है किंतु माता जी के अन्वेषण का कार्य प्रभु ने हनुमान जी को ही सौंपा।

जामवंत जी के निर्देश का पालन करते हुए लंका में प्रवेश करते हैं।सुंदरकांड के आश्रय में कथा गायन करते हुए प्रेमभूषण महाराज ने कहा भारतीय सेना दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है भारत की दो बहादुर बेटियों कर्नल सोफिया कुरेशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत देश के दुश्मनों को उनके ठिकानों सहित नष्ट करके अपनी शक्ति का जो परिचय दिया है वह प्रशंसनीय और वंदनीय है,ऐसी बेटियां हमारे लिए गौरव है,इसलिए बेटियों का सम्मान करना सीखिए।

विवाह में बेटे के पिता को बेटी वालों से दहेज की माँग कभी नही करना चाहिए।देश के दुश्मनों पर बरसते हुए क्रांतिकारी संत प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि हमारी भारतीय सेना दुश्मनों को मिट्टी में मिलाने में सक्षम है,हमारी

सहिष्णुता को कमजोरी समझने की गलती कोई ना करे,हम किसी से डरते नही।

प्रेमभूषण महाराज की कथा सुंदरकांड में प्रवेश करती है। पूज्यश्री ने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि,विभीषण की भाँति भगत स्वयं न बना जाये घर के लोगों को भी भगत बनने दिया जाए। बन्दहु बाल रूप सोइ रामू.. गाने वाले लोग प्रसाद ले लेने पर छोटे बच्चों को डाँटने लगते है यह कभी नही करना चाहिए। 5 वर्ष के बच्चो में भगवत बुद्धि रखना चाहिए।यही सच्चे भक्त के लक्षण हैं। सुंदरकांड मेंहनुमान जी को माता सीता से पुत्र संबंध की प्राप्ति हुई इसलिए निर्भय होकर प्रेम मगन हो नाचने लगे। वाटिका उजाड़,अक्षय वध,लंका विध्वंस तक की कथा का सविस्तार वर्णन करते हुए प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि,जीवन में जितना संभव हो सके मित्र ही बनाना चाहिए शत्रु कदापि ना बनाया जाये। महिलाओं को भगवान की पूजा से पूर्व सिंदूर लगाना चाहिए और बाल बांधते समय बालों में चूड़ा अवश्य लगाना चाहिए इससे पति की आयु में वृद्धि और रक्षा होती है। भगवान ने केश रक्षण के लिए ही केशव अवतार लिया था।अतः महिलाओं को आधुनिकता की अंधी दौड़ से बचते हुए अपने केश कभी नही कटवाना चाहिए।पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने राम राज्याभिषेक महोत्सव का सुंदर वर्णन करते हुए बजरंगी लाये खबरिया राम आते नगरिया, आते हैं रघुनंदन..,मुझे प्राणों से भी प्यारी है ये अवधपुरी और राजा बने रघुरैया..जैसे अपने लोकप्रिय भजनों को सुनाकर इस मानस महाकुंभ में अवगाहन हेतु उमड़े जन सैलाब को भावविभोर कर दिया।

गौर तलब है कि,श्री छोटी अयोध्या धाम वार्ड क्रमांक 4 संग्रामगंज, नगर पंचायत रामगंज में आयोजित नवनिर्मित श्रीराममंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के मंगल महोत्सव सोपान में पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व में इस महोत्सव के मुख्य यजमान और आयोजक राम अकबाल मिश्र द्वारा 1मई से 9 मई तक नौ दिवसीय मानस महाकुंभ का आयोजन किया गया था।

पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने राम अकबाल मिश्रा को उनके कई वर्षों से संकल्पित इस मंगल महोत्सव की संपन्नता को राघव सरकार की कृपा प्रसादी बतलाते हुए उन्हें अपना आशीर्वाद और मंगल बधाई देते हुए इस नौ दिवसीय कथा सत्र को विश्राम दिया।

राम अकबाल मिश्रा ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि, स्वर्गीय पिताजी के स्वप्न को पूर्ण करने का जो पुण्य संकल्प मैंने लिया था वह राघव सरकार की कृपा, श्रेष्ठ जनों के आशीर्वाद, परिजनों और क्षेत्र वासियों और पुलिस विभाग के सहयोग से आज सिद्ध हुआ मै सभी का आभारी हूँ। आयोजक राम अकबाल मिश्रा के पुत्र चारु मिश्र के अनुसार इस मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के मंगल महोत्सव में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं के लिए नित्य भोजन महाप्रसाद की व्यवस्था की गयी थी।

रामकथा में उमड़े जनसैलाब के बीचआमंत्रित प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह(मोती सिंह),पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकांत ओझा, रामगंज नगर पंचायत के चेयरमैन राकेश सिंह, मुम्बई से पधारे सुप्रसिद्ध उधोगपति,समाज सेवक पंकज मिश्रा,बिन्दू सिंह, गब्बर सिंह,रुचि सिंह, शारदा सिंह, महादेव सिंह, इं.आशीष सिंह, प्रेमभूषण महाराज के मुम्बई मीडिया प्रभारी दिनेशप्रताप सिंह आदि गणमान्य जनों ने प्रमुख रूप से उपस्थित होकर मानस महाकुंभ में अवगाहन का पुण्यलाभ प्राप्त किया। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से लाल शेखर सिंह ने दी है।

दो दिवसीय तानसेन मेगा म्यूजिक एंड डांस फेस्टिवल - 2025 का शानदार आगाज

पटना (उत्तरशक्ति)। तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक द्वारा ए एन कॉलेज के सत्येंद्र नारायण सिन्हा सभागार में दो दिवसीय तानसेन 9वीं मेगा म्यूजिक एंड डांस फेस्टिवल - 2025 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक के सीईओ कैप्टन आशुतोष कुमार एवं एमडी वंदना कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत तानसेन स्कूल के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना पर कत्थक नृत्य की प्रस्तुति से की गई। इसके बाद बच्चों ने एक से बढ़कर एक क्लासिकल एवं सेमी क्लासिकल नृत्य - संगीत की प्रस्तुति दी जिसे देख सभी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम में संस्थान के 250 से बच्चों ने भजन, गजल, सूफी, पियानों व डांस के परफॉरमेंस से सबका दिल जीत लिया। संस्थान के पांचों ब्रांच के बच्चों ने सालसा, फ्यूजन डांस परफॉरमेंस के साथ हीं एक से बढ़कर एक गाने की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में तानसेनाईट ऑफ द ईयर का भी आयोजन हुआ जिसमें बच्चों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक के सीईओ कैप्टन आशुतोष कुमार ने कहा कि यह आयोजन छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देता है और भारतीय संस्कृति को भी बढ़ावा देता है। यह आयोजन भारतीय संगीत की विविधता और समृद्धी को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष हम कुछ नए वादें कर उसे पूरा करने के लक्ष्य के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहते हैं। वहीं एमडी वंदना कुमार ने कहा कि इस संस्थान के माध्यम से अबतक हजारों बच्चों ने प्रशिक्षण लेकर अपना परचम लहराया है।

बकाया न जमा करने पर 61 हजार उपभोक्ताओं का कटेगा कनेक्शन

आजमगढ़। बिजली बिल न जमा करने वाले उपभोक्ताओं से विद्युत निगम ने अब सख्ती से निपटने की तैयारी कर ली है। बकाया जमा न करने पर 61 हजार से अधिक उपभोक्ताओं का मई में कनेक्शन काटा जाएगा। कार्रवाई करने के लिए विभाग ने उपकेंद्र वार सूची तैयार कर अवर अभियंताओं को भेज दी है। विद्युत वितरण मंडल द्वितीय में विभाग ने 50200 उपभोक्ताओं को चिह्नित किया है। यह उपभोक्ता वर्ष 2023-24 में बकाया बिजली बिल जमा किए लेकिन 2024-25 का बकाया बिजली बिल जमा नहीं कर रहे हैं। इन पर 58.95 करोड़ रुपये बकाया चल रहा है। इसके अलावा 11,893 उपभोक्ता ऐसे हैं जो दो साल से बिजली बिल जमा नहीं किए हैं। इन पर 3.23 करोड़ रुपये बकाया है। बार-बार निर्देश के बाद भी बिजली बिल जमा नहीं कर रहे हैं। इससे निगम का मासिक राजस्व वसूली का ग्राफ बिगड़ रहा है। मई में 24 करोड़ रुपये राजस्व वसूली का लक्ष्य दिया गया है। अभी तक 10.37 करोड़ की ही वसूली हो पाई है। इन बकायेदार उपभोक्ताओं से वसूली के लिए निगम ने उपकेंद्रवार सूची तैयार कर अवर अभियंताओं को भेजा है। अवर अभियंता सख्ती के साथ इनसे बकाया बिल की वसूली करेंगे।